18वीं लोकसभा के पहला सत्र के पहले दिन आज सोमवार को प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई देने के बाद सबसे पहले पीएम नरेंद्र मोदी को लोकसभा की सदस्यता की शपथ दिलाई।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:194 दिनांक:25-06-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

ममता बनर्जी ने राज्य में निम्न स्तर की जन सुविधाओं को लेकर विधायकों, नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को फटकार लगाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में लगभग हर जगह नागरिक सुविधाएं खत्म हो गई हैं।

पीएम मोदी बोले- 25 जून को लोकतंत्र पर काला धब्बा लगा था,

अब कोई ऐसा नहीं कर सकेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने संसद भवन परिसर में कहा कि संसदीय लोकतंत्र में आज का दिन गौरव मय है, यह वैभव का दिन है। आजादी के बाद पहली बार हमारे अपने नए संसद में यह शपथ हो रहा है, अब तक ये प्रक्रिया पुराने संसद में होती थी। आज के इस महत्वपूर्ण दिन पर मैं सभी नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत करता हूं सबका अभिनंदन करता हूं और सबको शुभकामनाएं देता हूं।

प्रधानमंत्री ने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल 25 जून है। 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर लगे उस कलंक के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की नई पीढ़ी कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविधान को पूरी तरह से नकार दिया गया था, संविधान के हर हिस्से की धज्जियां उड़ा दी गई थीं, देश को जेलखाना बना दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह दबा दिया गया था। उन्होंने कहा कि अपने संविधान, भारत के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करते हुए देशवासी संकल्प लेंगे कि भारत में दोबारा कोई ऐसा करने की हिम्मत न कर सके, जो 50 साल पहले किया गया था। हम एक जीवंत लोकतंत्र का संकल्प लेंगे। हम भारत के संविधान के निर्देशों के अनुसार सामान्य मानवी के सपनों को पूरा करने का संकल्प लेंगे।

2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य

पीएम मोदी ने कहा कि संसद का ये गठन भारत के सामान्य मानवी के संकल्पों की पूर्ति का है। नए उमंग, नए उत्साह के साथ नई गति, नई ऊंचाई प्राप्त करने का ये अवसर है। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य लेकर आज 18वीं लोकसभा का प्रारंभ हो रहा है।

विश्व का सबसे बड़ा चुनाव बहुत ही शानदार तरीके से संपन्न हुआ

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा चुनाव बहुत ही शानदार तरीके से, बहुत ही गौरवमय तरीके से संपन्न होना, ये हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। करीब 65 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा लिया। ये चुनाव इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण हो गया, क्योंकि आजादी के बाद दूसरी बार देश की जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार सेवा करने का अवसर दिया है।

देश चलाने के लिए सर्वसम्मति सबसे महत्वपूर्ण

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमने हमेशा एक परंपरा का पालन करने का प्रयास किया है। हमारा मानना है कि सरकार चलाने के लिए बहुमत की आवश्यकता होती है, लेकिन देश चलाने के लिए सर्वसम्मति सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए हमारा निरंतर प्रयास रहेगा कि हम मां भारती की सेवा करें और 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं को सबकी सहमति से और सबको साथ लेकर पूरा करें। हम संविधान की पवित्रता को बनाए रखते हुए, सबको साथ लेकर आगे बढऩा चाहते हैं और फैसले लेने में तेजी लाना चाहते हैं।

विपक्ष को दिया संदेश

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों को विपक्ष से अच्छे कदमों की उम्मीद है, लेकिन अब तक यह निराशाजनक रहा है। उम्मीद है कि वह अपनी भूमिका निभाएगा और लोकतंत्र की मर्यादा बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि भारत को एक जिम्मेदार विपक्ष की जरूरत है और लोग नारे नहीं, बल्कि सार्थकता चाहते हैं। विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि वे संसद में चर्चा और परिश्रम चाहते हैं, व्यवधान नहीं।

अयोध्या में पहली बारिश में खुली निर्माण कार्यों की पोल

टपकने लगा राम मंदिर, जहां रामलला, वहां पानी भरा

अयोध्या (ईएमएस)। अयोध्या का राम मंदिर पहली ही बारिश में टपकने लगा। मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि गर्भगृह में, जहां रामलला विराजमान हैं, वहां भी पानी भर गया। अगर एक-दो दिन में इंतजाम नहीं हुए, तो दर्शन और पूजन की व्यवस्था बंद करनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि शनिवार-रविवार रात 2 से 5 बजे तक तेज बारिश हुई। इसके बाद मंदिर के गर्भगृह के सामने मंडप में 4 इंच तक पानी भर गया। मंदिर के अंदर लोगों को डर था कि कहीं बिजली का करंट न उतर आए। इसलिए सुबह 4 बजे होने वाली आरती टार्च की रोशनी में करनी पड़ी। सुबह 6 बजे की आरती भी ऐसे ही हुई।

आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि गर्भगृह के अलावा भी जो छोटे मंदिर बने हैं, वहां भी पानी भर गया है। इस पर ध्यान देना चाहिए कि जो बना है, उसमें क्या कमी रह गई? एक तो राम मंदिर से बारिश का पानी निकलने की जगह नहीं है। ऊपर से पानी भी चूने लगा, इससे अव्यवस्था हुई। अयोध्या में शनिवार-रविवार की रात 67 एमएम बारिश हुई, जिससे पूरे शहर में जगह-जगह पानी भर गया। सडक़ें धंस गईं। 6 महीने पहले बने अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की करीब 20 मीटर लंबी बाउंड्री वॉल भी ढह गई।

पहली मंजिल के निर्माण के चलते अंदर आया पानी

जलनिकासी ठीक नहीं होने के चलते यह दिक्कत हो रही हैं। पुजारी के मुताबिक, इसको जितनी जल्दी ठीक करवा लिया जाए, उतना अच्छा है। पानी को रात 10 बजे तक सुखाया जा सका। ये पानी क्यों भरा? इसके जवाब में उन्होंने बताया- पहली मंजिल पर निर्माण जारी है। वहां रॉड लगाने के लिए होल (छेद) छूटे हुए हैं। वहीं से मंदिर के अंदर पानी आया था।

अयोध्या धाम स्टेशन की बाउंड्री वॉल ढही

बारिश से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की करीब 20 मीटर लंबी बाउंड्री वॉल ढह गई। 30 दिसंबर, 2023 को पीएम मोदी ने इस रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया था। इसके अलावा कई जगह पर सीवर लाइन धंस गई, जिससे कई घरों और मंदिरों में सीवर का पानी घुस गया। इमामबाड़ा की रोड धंस गई, यहां सीवर चोक हो गया। बिरला धर्मशाला के सामने मंदिर में सीवर का गंदा पानी भर गया। कई अन्य क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। लोगों ने कहा- पहली बारिश में ही नगर निगम और पीडब्ल्यूडी की पोल खुल गई।

सुपर-8 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया, सेमीफाइनल में जगह पक्की

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपना विजयी क्रम जारी रखा है और सुपर-8 के मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रनों से हरा दिया है। टीम इंडिया ने इसी के साथ सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। रोहित शर्मा की तूफानी पारी के दम पर भारत ने पूरे ओवर खेलने के बाद पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने लड़ाई लड़ी लेकिन आखिरी में आकर ये टीम हार गई। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 181 रन बनाए। इस हार ने ऑस्ट्रेलिया का सेमीफाइनल में जाना मुश्किल कर दिया है। भारत से पहले ऑस्ट्रेलिया को अफगानिस्तान ने मात दी थी और बड़ा उलटफेर कर दिया था। अब अफगानिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ मैच खेलना है और इस मैच में अगर अफगान टीम जीत जाती है तो ऑस्ट्रेलियाई टीम सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो जाएगी।

206 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले ही ओवर की आखिरी गेंद पर झटका लग गया। अर्शदीप सिंह ने डेविड वॉर्नर को स्लिप में सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच कराया। दूसरे सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने हालांकि अपना पैर जमाए रखा और तूफानी अंदाज में रन बनाए। कप्तान मिचेल मार्श भी तेजी से रन बना रहे थे।

मार्श को हालांकि कुलदीप यादव ने आउट कर दिया। नौवें ओवर की आखिरी गेंद पर मार्श ने कुलदीप की गेंद को पुल मारा और डीप स्क्वायर लेग पर अक्षर पटेल ने उनका बेहतरीन कैच लपका। हेड हालांकि मार्श के जाने के बाद भी तेजी से रन बनाते रहे। उन्हें फिर ग्लेन मैक्सवेल का साथ मिला। मैक्सवेल ने कुछ अच्छे शॉट्स मारे। कुलदीप की फिरकी ने उनकी तूफानी पारी का अंत कर दिया। मैक्सवेल ने 12 गेंदों पर 19 रन बनाए। अपनी पारी में मैक्सवेल ने दो चौके और एक छक्का मारा। मार्कस स्टोइनिस भी कमाल नहीं कर सके। अक्षर पटेल की गेंद पर हार्दिक पांडया ने उनका कैच लपका।

भारतीय गेंदबाजों ने तो रनों पर अंकुश लगा दिया था, लेकिन हेड जब तक थे तब भारत के लिए सिरदर्द थे। ऐसे में रोहित ने अपने सबसे सफल गेंदबाज बुमराह को वापस बुलाया। 17वें ओवर की तीसरी गेंद पर बुमराह ने हेड को रोहित शर्मा के हाथों कैच कराया। हेड ने 43 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली। इस पारी में हेड ने नौ चौके और चार छक्के मारे। यहां से ऑस्ट्रेलियाई टीम बैकफुट पर चली गई। अगले ओवर में अर्शदीप ने मैथ्यू वेड को शॉर्ट थर्डमैन पर कुलदीप के हाथों कैच करा दिया। वेड एक ही रन बना पाए। टिम डेविड भी फिर ज्यादा कुछ नहीं कर सके और अर्शदीप सिंह ने उन्हें 18वें ओवर की पांचवीं गेंद पर बुमराह के हाथों कैच कराया। यहां ऑस्ट्रेलिया ने अपना सांतवां विकेट खो दिया। भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए। कुलदीप यादव के हिस्से एक विकेट आया। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

एनडीए के लिए आसान नहीं होगा स्पीकर का चुनाव, इंडिया गठबंधन से मिलेगी कड़ी टक्कर

26 जून को स्पीकर का चुनाव होने वाला है।

विपक्ष प्रोटेम स्पीकर के निर्वाचन को लेकर है नाराज।

आपसी सहमति से अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चुनाव चाहता है विपक्ष।

नई दिल्ली(ईएमएस)। सोमवार को संसद में सत्र में प्रोटेम स्पीकर ने सभी नवर्निवाचित सांसदों को शपथ दिलाई। इस दौरान विपक्ष ने नीट का मुद्दा सदन में उठाकर जमकर हंगामा किया। आने वाले दो दिनों में सरकार और विपक्ष की लड़ाई लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर तेज हो जाएगी। एनडीए के लिए इस बार स्पीकर का पद हासिल करना इतना आसान नहीं होगा, क्योंकि भाजपा अपने सहयोगियों के भरोसे पर है।

रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन ने स्पीकर पद को लेकर आईएनडीआईए गठबंधन की मंशा को साफ करते हुए कहा कि 26 जून को स्पीकर पद के लिए एनडीए के खिलाफ हम चुनाव लड़ेंगे। रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन ने कहा कि सदन की यह सहमति है कि सदन के सबसे वरिष्ठ सदस्य को प्रोटेम स्पीकर के रूप में चुना जाना चाहिए या मनोनीत किया जाना चाहिए, लेकिन यह देखना दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोडिकुन्नील सुरेश के कांग्रेस से होने के कारण उन्हें प्रोटेम स्पीकर नहीं बनाया गया।

स्पीकर पद के लिए लड़ेंगे चुनाव

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से हम अध्यक्ष पद के साथ-साथ उपाध्यक्ष पद के लिए भी चुनाव लड़ेंगे। अगर, सरकार की विपक्षी दलों के साथ चर्चा में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पर आम सहमति नहीं बनती है, तो हम निश्चित रूप से चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा ने छीनी संवैधानिक संस्थाओं की आजादी

उन्होंने कहा कि आपातकाल पर पीएम मोदी की टिप्पणी पर रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने कहा कि बीजेपी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। इन संस्थाओं की आजादी छीन ली गई है।

संविधान में बदलाव की नहीं देंगे अनुमति

उन्होंने कहा कि संविधान को बदलने की सरकार की मंशा थी, इसलिए संविधान की रक्षा और सुरक्षा के लिए विपक्ष ने प्रतीकात्मक रूप से संविधान को अपने पा रखा है। हमने कहा है कि हम संविधान में कभी भी बदलाव की अनुमति नहीं देंगे, जिससे भारत को एक धार्मिक राज्य बन जाए। भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र की रक्षा करेंगे। हम संसदीय लोकतंत्र के सिद्धांतों और मूल्यों की रक्षा करेंगे।

देश को एक अच्छे विपक्ष, एक जिम्मेदार विपक्ष की आवश्यकता है: पीएम मोदी

- पीएम ने 18वीं लोकसभा के प्रथम सत्र पर मीडिया को किया संबोधित

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 18वीं लोकसभा के प्रथम सत्र के आरंभ होने से पहले मीडिया को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन संसदीय लोकतंत्र के लिए गौरव का दिन है, गर्व करने का दिन है क्योंकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहली बार शपथ ग्रहण समारोह नई संसद में होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, इस महत्वपूर्ण दिन पर मैं सभी नवनिर्वाचित सांसदों का हार्दिक स्वागत करता हूं और सभी को बधाई देता हूं।

पीएम मोदी ने इस संसद के गठन को भारत के आम आदमी के संकल्पों को पूरा करने का माध्यम बताते हुए कहा कि यह नए उत्साह के साथ नई गति और ऊंचाई हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को साकार करने के लिए आज 18वीं लोकसभा शुरू हो रही है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि विश्व के सबसे बड़े चुनाव का भव्य आयोजन 140 करोड़ नागरिकों के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नतापूर्वक कहा, ''चुनावी प्रक्रिया में 65 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि ''स्वतंत्रता के बाद दूसरी बार किसी सरकार को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर मिला है। यह अवसर 60 वर्षों के बाद आया है।''

पीएम मोदी ने तीसरी बार सरकार चुनने के लिए नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सरकार की नीयत, नीतियों और लोगों के प्रति समर्पण पर मुहर लगाता है। प्रधानमंत्री ने बल देकर कहा, पिछले 10 वर्षों में हमने एक परंपरा स्थापित करने का प्रयास किया है क्योंकि हमारा मानना है कि सरकार चलाने के लिए बहुमत की आवश्यकता होती है लेकिन देश चलाने के लिए सर्वसम्मति अत्यधिक आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि 140 करोड़ नागरिकों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सर्वसम्मति हासिल की जाए और सभी को साथ लेकर मां भारती की सेवा की जाए। सभी को साथ लेकर चलने और भारतीय संविधान के दायरे में निर्णय लेने की गति बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा में शपथ लेने वाले युवा सांसदों की संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त की। भारतीय परंपराओं के अनुसार 18 की संख्या के महत्व पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि गीता में 18 अध्याय हैं जो कर्म, कर्तव्य और करुणा का संदेश देते हैं, पुराणों और उपपुराणों की संख्या 18 है, 18 का मूल अंक 9 है जो पूर्णता का प्रतीक है और भारत में मतदान की कानूनी आयु 18 वर्ष है। मोदी ने कहा, 18वीं लोकसभा भारत का अमृत काल है। इस लोकसभा का गठन भी एक शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री ने कल यानी 25 जून को आपातकाल के 50 साल पूरे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र पर एक काला धब्बा है। मोदी ने कहा कि भारत की नई पीढ़ी उस दिन को कभी नहीं भूलेगी जब लोकतंत्र को कुचलकर भारत के संविधान को पूरी तरह से नकार दिया गया था और देश को जेलखाने में बदल दिया गया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नागरिकों से भारत के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया ताकि ऐसी घटना फिर कभी न हो। प्रधानमंत्री ने कहा, हम एक जीवंत लोकतंत्र का संकल्प लेंगे और भारत के संविधान के अनुसार आम नागरिकों के सपनों को पूरा करेंगे। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सरकार की जिम्मेदारी तीन गुना बढ़ गई है क्योंकि लोगों ने तीसरी बार सरकार चुनी है। उन्होंने नागरिकों को विश्वास दिलाया कि सरकार पहले से तीन गुना अधिक श्रम करेगी और तीन गुना बेहतर परिणाम भी लाएगी।

हज में 1,301 यात्रियों की मौत

मक्का(ईएमएस)। सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान 1,301 यात्रियों की मौत हुई। सऊदी ने रविवार को ये जानकारी दी है। मरने वाले हज यात्रियों में सबसे ज्यादा मिस्त्र के 660 लोग थे। इसके बाद इंडोनेशिया के 199 और भारत के 98 हैं। वहीं जॉर्डन से 75, टयूनीशिया से 49 पाकिस्तान से 35 और ईरान से 11 हज यात्रियों की मौत की खबर है। सऊदी अरब ने मरने वालों का आंकड़ा जारी करते हुए बताया कि इनमें ज्यादातर वो लोग थे जो अवैध तरीके से मक्का-मदीना पहुंचे थे। सऊदी ने मौत की वजह भीषण गर्मी को बताया है। सऊदी की तरफ से दिए गए बयान में कहा गया है कि मरने वाले ज्यादातर या तो बुजुर्ग थे, या किसी बीमारी से जूझ रहे थे। इस बार हज के लिए 18 लाख यात्री सऊदी पहुंचे।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर करारा हमला

एनडीए के पहले 15 दिन के हादसे-हमले और घोटाले गिनाए

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के समय से राजनीतिक दलों में जारी वार-पलटवार अभी भी बरकारार है। ये वार-पलटवार तब और भी अहम हो गई, जब सत्ताधारी दल भाजपा को चुनाव में बहुमत नहीं मिला, हालांकि सत्ताधारी दल के गठबंधन एनडीए ने जरूर बहुमत हासिल किया और देश में लगातार तीसरी बार सरकार भी बनाई। लेकिन इसके साथ ही विपक्षी दलों के हमले और तेज हो गए हैं।

भाजपा-नीत एनडीए गठबंधन को बने हुए 15 दिन हुए हैं और इन 15 दिनों के दौरान कई हादसे, हमले और कुछ कथित घोटाले सामने आए हैं। इसे लेकर अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर जोरदार हमला बोला है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने एनडीए सरकार के 15 दिनों में हुए हादसे, हमले और कथित घोटाले के साथ-साथ तमाम कमियां गिनवाई है।

राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा - एनडीए के पहले 15 दिन!

1. भीषण ट्रेन दुर्घटना
2. कश्मीर में आतंकवादी हमले
3. ट्रेनों में यात्रियों की दुर्दशा
4. नीट घोटाला
5. नीट पीजी निरस्त
6. यूजीसी नेट का पेपर लीक
7. दूध, दाल, गैस, टोल और महंगे
8. आग से धधकते जंगल
9. जल संकट
10. हीट वेव में इंतजाम न होने से मौतें

इन 10 मुद्दों को गिनाते हुए राहुल गांधी ने साथ में लिखा- मनोवैज्ञानिक रूप से बैकफुट पर नरेंद्र मोदी बस अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं। नरेंद्र मोदी जी और उनकी सरकार का संविधान पर आक्रमण हमारे लिए मान्य नहीं है - और ये हम किसी हाल में होने नहीं देंगे। उन्होंने आगे लिखा कि इंडिया का मजबूत विपक्ष अपना दबाव जारी रखेगा, लोगों की आवाज उठाएगा और प्रधानमंत्री को बिना जवाबदेही बच कर निकलने नहीं देगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भी साधा निशाना

वहीं इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी केंद्र और मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि संविधान को बचाने के लिए हमने जो कोशिश की थी उसमें जनता हमारे साथ है। लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोडऩे की कोशिश की और हर लोकतांत्रिक नियमों को तोड़ा जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में एनडीए को हुआ नुकसान

लोकसभा चुनाव में एनडीए को कई सीटों का नुकसान हुआ है। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में अकेले भाजपा ने 303 सीटों पर जीत हासिल की थी लेकिन 2024 में 240 पर ही सिमट गई। जबकि एनडीए गठबंधन ने 290+ सीटें हासिल की। वहीं इंडिया ने 230+ सीटें हासिल की थी, जिसमें कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 99 सीटें जीती थी।

प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति पर विपक्ष का प्रदर्शन

सोनिया समेत विपक्षी सांसदों ने संविधान की कॉपी लहराई, खडग़े बोले पीएम मोदी संविधान तोड़ रहे

नई दिल्ली(ईएमएस)। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हुआ। विपक्षी सांसदों ने भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने पर विरोध-प्रदर्शन किया। सांसदों ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने संविधान की कॉपी लहराई और संविधान बचाओ के नारे लगाए।

विपक्षी सांसदों ने कहा कि सरकार ने नियमों के खिलाफ जाकर प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। नियम के मुताबिक, कांग्रेस के के.सुरेश को प्रोटेम स्पीकर बनाया जाना था, क्योंकि वे 8 बार के सांसद हैं। महताब तो 7 बार के ही सांसद हैं। प्रदर्शन में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खडग़े और सांसद राहुल गांधी भी शामिल हुए। राहुल गांधी ने प्रोटेस्ट के बाद कहा- प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह, जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है। हम ये आक्रमण नहीं होने देंगे। हिंदुस्तान के संविधान को कोई शक्ति नहीं छू सकती।

खडग़े ने कहा कि पीएम ने संविधान को तोडऩे की कोशिश की है। संविधान को बचाने के लिए जनता हमारा साथ दे रही है। देश में फिलहाल हर लोकतांत्रिक नियम को तोड़ा जा रहा है। आज हम गांधी जी की प्रतिमा के सामने इकट्ठे हुए हैं। हम मोदी जी को बता रहे हैं कि आप संविधान के तहत चलिए।

हरियाणा में नौकरियों में 5 नंबर का बोनस असंवैधानिक करार

राज्य सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलटा; 23 हजार नियुक्तियां फंसी

चंडीगढ़(ईएमएस)। हरियाणा में सरकारी भर्ती परीक्षा में सामाजिक-आर्थिक आधार पिछड़े उम्मीदवारों को 5 बोनस अंक दिए जाने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सोमवार को दिए फैसले में कोर्ट ने कहा- यह असंवैधानिक है।

हरियाणा की खट्टर सरकार ने नौकरियों में सामाजिक व आर्थिक आधार पर पिछड़े आवेदकों को 5 बोनस अंक देने का फैसला किया था। फैसला 5 मई, 2022 से लागू किया था।इसके तहत जिस परिवार में कोई भी सदस्य सरकारी नौकरी में न हो और परिवार की आमदनी सालाना 1.80 लाख रुपए से कम हो, ऐसे परिवार के आवेदक को 5 अतिरिक्त अंक का लाभ मिलता है। हरियाणा सरकार ने कर्मचारी चयन आयोग के कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट में 1.80 लाख सालाना इनकम वाले परिवारों को बोनस अंक का लाभ दिया था। राज्य के परिवार पहचान पत्र वाले युवाओं को ही यह फायदा मिला। इसे अन्य अभ्यर्थियों ने कोर्ट में चुनौती दी। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 31 मई 2024 को बोनस अंक देने के फैसले को खारिज किया था। हाईकोर्ट ने कहा था- यह एक प्रकार से आरक्षण देने जैसा है। जब आर्थिक पिछड़ा वर्ग के तहत राज्य सरकार ने पहले ही आरक्षण का लाभ दिया है तो यह आर्टिफिशियल श्रेणी क्यों बनाई जा रही है।

हाईकोर्ट के इसी फैसले के खिलाफ हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी। सरकार ने एग्जाम करवाने वाले हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के जरिए सुप्रीम कोर्ट में 4 पिटीशन दायर की थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से साल 2023 में निकाली गई ग्रुप सी और डी में नियुक्ति पा चुके 23 हजार युवाओं को दोबारा एग्जाम देना पड़ेगा। अगर वे पास नहीं हो पाए तो नौकरी से बर्खास्त हो जाएंगे। इन्हें भर्ती वाले साल में ही नियुक्ति भी दे दी गई थी।

18वीं लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन जमकर हंगामा

पेपर लीक को लेकर विपक्ष हमलावर, संसद सत्र के पहले दिन पीएम मोदी पर राहुल-खरगे का हमला, कहा

संविधान पर आक्रमण मंजूर नहीं

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन पर कांग्रेस पर निशाना साधा। वहीं कांग्रेस की तरफ से पीएम मोदी पर पलटवार किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है। वहीं मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि, संविधान को बचाने के लिए हमने जो कोशिश की थी उसमें जनता हमारे साथ है। लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोडऩे की कोशिश की। जबकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पीएम के पास बोलने के लिए कुछ भी नया नहीं था और हमेशा की तरह उन्होंने अपने संबोधन मुद्दों को भटकाने का प्रयास किया है।

रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है और वो हम नहीं होने देंगे इसलिए हमने शपथ लेते समय संविधान पकड़ा था...हिंदुस्तान के संविधान को कोई शक्ति नहीं छू सकती...। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, संविधान को बचाने के लिए हमने जो कोशिश की थी उसमें जनता हमारे साथ है। लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोडऩे की कोशिश की। इसलिए आज हम यहां एकत्रित होकर उसका विरोध कर रहे हैं। यहां पर गांधी जी की प्रतिमा थी और हम यहीं पर विरोध कर रहे हैं... हर लोकतांत्रिक नियमों को तोड़ा जा रहा है इसलिए हम बता रहे हैं कि मोदी जी आज संविधान के तहत चलिए...।

संसद सत्र की शुरुआत से पहले पीएम का संबोधन

18वीं लोकसभा की शुरुआत से पहले अपने पारंपरिक भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत को एक जिम्मेदार विपक्ष की जरूरत है। क्योंकि लोग नारे नहीं, बल्कि सार्थकता चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोग संसद में चर्चा, कर्मठता चाहते हैं न कि व्यवधान चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि लोग विपक्ष से अच्छे कदमों की उम्मीद करते हैं, लेकिन अब तक यह निराशाजनक रहा है और उम्मीद जताई कि यह अपनी भूमिका निभाएगा और लोकतंत्र की मर्यादा को बनाए रखेगा। इस दौरान उन्होंने ये भी याद दिलाया कि आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ 25 जून को है, पीएम इसे भारत के लोकतंत्र पर एक काला धब्बा कहा।

नीट मामले में टेरर फंडिंग का शक

महाराष्ट्र में एक हिरासत में; नीट मामले की जांच ईडी को सौंपने पर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट का आदेश नहीं

नई दिल्ली(ईएमएस)। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में टेरर फंडिंग का शक है। महाराष्ट्र में नांदेड़ की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने इस मामले में 4 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें से एक को रविवार रात लातूर से हिरासत में लिया गया है। इससे पहले एटीएस ने रविवार को लातूर में दो टीचर संजय तुकाराम जाधव और जलील उमरखां पठान को हिरासत में लेकर लंबी पूछताछ की थी। इसके बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इनमें से जलील को देर रात फिर से हिरासत में ले लिया गया।

इससे पहले सोमवार को नीट यूजी मामले की जांच ईडी को सौंपने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई आदेश नहीं दिया। जस्टिस एएस ओका और जस्टिस राजेश बिंदल की वेकेशन बेंच ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई 8 जुलाई को होने दें। अभी कोई जल्दबाजी नहीं है। यह सुनवाई 10 जून को सुप्रीम कोर्ट में दायर शिवानी मिश्रा समेत 10 शिकायतकर्ताओं की याचिका पर ही थी। एडवोकेट मैथ्यूज नेदुम्परा ने एग्जाम में गड़बडिय़ों की जांच ईडी को सौंपने और दोषियों पर मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कार्रवाई किए जाने की अपील की थी।

आर्टिकल 32 के तहत भी याचिका दायर हुई

सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका सोमवार को दायर की गई जिसे आर्टिकल 32 के तहत रिट पिटीशन के तौर पर दखिल किया गया। दरअसल, संवैधानिक अधिकारों के हनन के मामले में शिकायत आर्टिकल 32 के तहत रिट पिटीशन के तौर पर दाखिल की जाती है। जस्टिस मनोज मिश्रा और एसवीएन भट्टी की बेंच ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि ये आर्टिकल 32 के तहत रिट पिटीशन कैसे है? याचिका में नीट-यूजी एग्जाम में ओएमआर शीट से छेड़छाड़ में एनटीए की भूमिका की जांच सीबीआई और ईडी को सौंपने की मांग की गई थी। इस मामलों को भी 8 जुलाई को सुनवाई के लिए लिस्ट कर लिया गया।

पटनायक ने 9 राज्यसभा सांसदों मजबूत विपक्ष की तरह काम करने को कहा

भुवनेश्वर/पुरी (ईएमएस)। ओडिशा के पूर्व सीएम और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने सोमवार को अपनी पार्टी के 9 राज्यसभा सांसदों के साथ बैठक की। पटनायक ने इस दौरान ने अपनी पार्टी के सांसदों को एकजुट होकर मजबूत विपक्ष की तरह काम करने को कहा। जब उनसे पूछा गया कि क्या बीजद, बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार को मुद्दा आधारित समर्थन देने के अपने पहले के रुख पर कायम रहेगी? तो उन्होंने कहा, अब बीजेपी को और समर्थन नहीं। अब सिर्फ विपक्ष को समर्थन मिलेगा। हम ओडिशा के हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्यसभा में बीजू जनता दल के नेता सस्मित पात्रा ने कहा, इस बार बीजद सांसद केवल मुद्दों पर बोलने तक ही सीमित नहीं रहेंगे। अगर केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ओडिशा के हितों की अनदेखी करती है, तो वे आंदोलन करने के लिए दृढ़ हैं।

राजनीति से संन्यास लेने वाले वीके पांडियन का काफी संघर्ष भरा रहा है जीवन

सस्मित पात्रा ने कहा कि ओडिशा को विशेष दर्जा देने की मांग उठाने के अलावा बीजेडी सांसद राज्य में खराब मोबाइल कनेक्टिविटी और बैंक ब्रांच की कम संख्या का मुद्दा भी उठाएंगे। पात्रा ने कहा, पिछले 10 सालों से ओडिशा की कोयला रॉयल्टी में संशोधन की मांग को केंद्र सरकार ने नजरअंदाज किया है। इससे राज्य के लोगों को भारी नुकसान हो रहा है। वे अपने हक के हिस्से से वंचित हैं।

रूस में आतंकी हमले, 15 की मौत

मास्को(ईएमएस)। रूस के दागिस्तान में आतंकियों ने दो चर्च, एक सिनेगॉग (यहूदी मंदिर) और एक पुलिस पोस्ट पर हमला कर दिया। इसमें एक पादरी, 8 पुलिसकर्मियों सहित कुल 15 की मौत हो गई। पुलिस के 25 जवान भी घायल हैं। वहीं, 4 आतंकी भी मारे गए हैं। आतंकियों ने पादरी का गला काट दिया था। पादरी 66 साल के थे। जिस यहूदी मंदिर और चर्च पर हमला हुआ वे दागिस्तान के डर्बेंट शहर में स्थित हैं, जो मुस्लिम बहुल इलाके उत्तरी काकेशस में यहूदी समुदाय का गढ़ है। जबकि जिस पुलिस स्टेशन पर हमला हुआ वो डर्बेंट से 125 किमी दूर दागिस्तान की राजधानी माखचकाला में है।

जन हितैषी

लाइन लास के नाम पर बिजली चोरी का गोरख धंधा

देश में बिजली चोरी के लिए झुग्गी- झोपड़ी, किसानों और निम्न-मध्यम वर्ग को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। बिजली चोरी बड़े पैमाने पर विभिन्न राज्यों के विद्युत मंडल और विद्युत उत्पादन संयंत्रों से होती है। पिछले चार दशक में लाइन लास को कम करने के लिए हजारों करोड़ों रुपए प्रत्येक राज्य विद्युत मंडल द्वारा खर्च किए जाते है। लाइन लास कम होने के स्थान पर, बढ़ता ही जा रहा है। 2023 के जो नए आंकड़े सामने आए हैं, उसके अनुसार अरुणाचल राज्य में 58 फ़ीसदी, नागालैंड में 46 फ़ीसदी, सिक्किम में 37 फ़ीसदी, झारखंड में 30 फ़ीसदी, त्रिपुरा में 28 फ़ीसदी, उड़ीसा में 27 फ़ीसदी, मिजोरम में 26 फ़ीसदी, मेघालय में 24 फ़ीसदी, उत्तर प्रदेश में 22 फीसदी और मध्य प्रदेश में 21 फीसदी लाइन लास बताया गया है। विद्युत मंडलों का सबसे बड़ा नुकसान लाइन लास के रूप में होता है। थर्मल पावर संयंत्रों में कोयला चोरी से विद्युत उत्पादन की कीमत 25 से 30 फ़ीसदी तक बढ़ी है। जिसके कारण उपभोक्ताओं को महंगी बिजली मिल रही है। पिछले कई दशकों से विद्युत संयंत्रों से कोयले की चोरी रोकने और लाइन लास कम करने के नाम पर हर साल, हर राज्य का विद्युत मंडल, हजारों करोड़ों रुपए खर्च करता है। लेकिन चोरी रुकने के स्थान पर साल दर साल बढ़ती ही चली जा रही हैं। बड़े-बड़े औद्योगिक संस्थानों की मिली भगत से विद्युत चोरी, बिजली विभाग के अधिकारियों और राजनेताओं की मिली भगत से बड़े पैमाने पर होती है। इस बिजली चोरी को लाइन लास और विद्युत उत्पादन में हुए नुकसान से जोड़कर एक सुनियोजित साजिश के तहत, पिछले दो दशक से लगातार बिजली की कीमतें लगातार बढ़ाई जा रही हैं। इसका खामियाजा निम्न और मध्यमवर्गीय परिवारों को भुगतना पड़ता है। हर राज्य के करोड़ों उपभोक्ताओं को जो ईमानदारी से अपना बिजली का बिल चुकाते हैं, उन्हें महंगी बिजली खरीदना पड़ रही है। हर राज्य की विद्युत कंपनियों ने चोरी पकड़ने के लिए हजारों कर्मचारी नियुक्त किए हैं। पिछले कई दशकों से विद्युत वितरण क्षेत्र में कोटेड वायर बिछाए गए हैं। पोल पर ट्रांसफार्मर लगाकर चोरी रोकने के लिए मीटर भी लगाए गए। उसके बाद भी विद्युत चोरी कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। उल्टे हर साल विद्युत चोरी बढ़ती ही जा रही है। राजनीतिक दबाव भी इसका एक सबसे बड़ा कारण है। उदाहरण के तौर पर मध्य प्रदेश की बात करें, तो यहां पर विद्युत वितरण की तीन कंपनियां हैं। पश्चिम क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनी में 13 फीसदी लाइन लॉस है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 23 फ़ीसदी तथा पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 27 फ़ीसदी का लाइन लॉस है। ऊर्जा मंत्रालय की 12वीं रेटिंग रिपोर्ट में मध्य प्रदेश की विद्युत वितरण कंपनियों में आंशिक सुधार होने की बात जरूर कही गई है। लेकिन किसी भी विद्युत कंपनी को ए क्लास वाली रेटिंग नहीं मिली। विद्युत नियामक आयोग की भूमिका इसमें सबसे ज्यादा खराब है। विद्युत वितरण और उत्पादन कंपनियों द्वारा जो हिसाब किताब नियामक आयोग में पेश किया जाता है। उसी के अनुसार बिजली की दरें तय कर दी जाती हैं। विद्युत नियामक आयोग में कंपनियों के साथ-साथ आम विद्युत उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखने के लिए विद्युत नियामक आयोग को उनकी शिकायतों पर सुनवाई करनी चाहिए। सुनवाई के नाम पर केवल फॉर्मेलिटी पूरी कर ली जाती है। विद्युत उपभोक्ता असंगठित होते हैं। विद्युत नियामक आयोग में वह अपना पक्ष अच्छे तरीके से नहीं रख पाते हैं। विद्युत नियामक आयोग को जिस तरह से कंपनियों के उत्पादन, वितरण और अन्य खर्चो के बारे में जांच करनी चाहिए, उसकी ओर आयोग ध्यान नहीं देता है। इस कारण देश भर के करोड़ों बिजली उपभोक्ता जो ईमानदारी के साथ अपना बिल भरते हैं, उनके ऊपर साल दर साल बोझ बढ़ता चला जा रहा है। विद्युत वितरण कंपनियों ने बिजली के रेट बढ़ाकर अपना घाटा पूरा करने का आसान रास्ता खोज लिया है। ईमानदार बिजली उपभोक्ता संगठित रूप से इसका विरोध नहीं कर पाते हैं। इसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ता है। वहीं बड़े-बड़े उद्योग संस्थान, राजनेताओं और अधिकारियों की मिली भगत से कम कीमत पर ज्यादा बिजली का उपयोग करते हैं। बिजली चोरी का यह धंधा संगठित रूप से राजनेताओं और अधिकारियों की मिली भगत से चलाया जा रहा है। ना तो इसे विद्युत नियामक आयोग रोक पाया, ना केंद्र अथवा राज्य सरकारें रोक पाईं। इसे लेकर बिजली उपभोक्ताओं की नाराजी स्पष्ट रूप से दिखने लगी है।

औरत को कब बराबरी का दर्जा मिलेगा!

वह तोड़ती पत्थर, देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर! कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने जब यह कविता लिखी। तबसे लेकर अबतक काफ़ी कुछ बदल गया है। जिंदगी की रफ़्तार बदल गई। लोगों के सोचने-समझने का नज़रिया बदला गया। जीवन के मायने बदल गए और निःसन्देह महिलाओं के जीवन में भी काफ़ी बदलाव आया है। आज महिलाएं आगे तो बढ़ रही हैं, लेकिन आज भी उनके रफ़्तार की गति बहुत धीमी है। तभी तो देश की आज़ादी के 77 वर्ष बाद भी देश की महिलाएं आर्थिक लैंगिक समानता के मामले में पिछड़ी हुई है। हालिया जारी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ताजा रिपोर्ट की माने तो लैंगिक समानता के मामले में भारत 146 देशों की सूची में 129 वें नंबर पर है। आज भी हमारे देश में औसतन पुरुषों को 100 रुपए कमाई के मिलते है तो महिलाओं को मात्र 39.80 पैसे मिलते है। वैसे यह दस्तूर सिर्फ़ भारत का नही बल्कि पूरी दुनिया का है। आखिर यह भेदभाव क्यों? हम स्त्री को सृजनकर्ता के रूप में देखते। फ़िर उसके द्वारा किया गया कार्य कमतर कैसे हो जाता। यह बात समझ से परे है। देखा जाए तो पुरुषों और महिलाओं में समानता का सवाल बहुत पुराना है। लेकिन, जब योग्यता, क्षमता और दक्षता में दोनों समान हों, तो सिर्फ लैंगिक कारणों से दोनों में विभेद नहीं किया जाना चाहिए! लेकिन, हर क्षेत्र में लैंगिक असमानता बरक़रार है। यहां तक कि खेल संगठन में भी पुरुषों और महिलाओं में फर्क किया जाता है और ये उनको मिलने वाले वेतन, भत्तों में भी साफ़ नजर आता है!

वर्तमान दौर में लैंगिक समानता पर बहस छिड़ी है और इस असमानता का अर्थ महिलाओं के संघर्ष से जोड़कर देखा जाने लगा। जबकि, लैंगिक समानता का सीधा सा अर्थ है कि महिला और पुरुषों को हर क्षेत्र में बराबरी के अवसर मिले। उन्हें न केवल समान वेतन मिले, बल्कि राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों में भी समानता के भाव से देखा जाए। पर, विडंबना देखिए कि हम बात तो समता और समानता की करते है, लेकिन आज भी महिलाओं को उस नजरिए से नहीं देखा जाता। यहां तक कि उन्हें काम पाने के लिए भी कड़े संघर्ष करने पड़ते हैं। जबकि कमाई के मामले में महिलाएं आज भी बहुत पिछड़ी हुई है। पिछड़ेपन की सबसे बड़ी वजह महिलाओं को उनके काम का उचित पारिश्रमिक नहीं मिलना है। भारत में जिस कार्य के लिए पुरुष को 100 रुपए मिलते है महिलाओं को उसी काम के लिए महज 52 रुपए ही मिलते है। जबकि आर्थिक लैंगिक समानता की सूची में बीते वर्ष 127 वें स्थान पर थे लेकिन अब फ़िसलकर 129 वें स्थान पर पहुंच गए है। यही स्थिति रही तो वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में आने के हमारे लक्ष्य को आर्थिक लैंगिक असमानता बाधक बन सकती है।

आज भी हमारे देश में बडे संवैधानिक पद हो, या उद्योग जगत महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले कम ही नजर आती है। यह सामाजिक व्यवस्था की कमजोरी कहे चाहे प्रशासनिक संस्था की लाचारी और बेबसी। लेकिन दोनों ही परिस्थितियों में महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कमतर ही आंका जाता है। महिलाएं ही हैं जो घर और समाज को बेहतर ढंग से चला सकती हैं। फिर क्यों उस महिला को समाज में कमतर आंका जाता है उसे उचित सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता है। उसके द्वारा किए काम का सही मूल्य नहीं दिया जाता। आज पुरुष प्रधान समाज के साथ-साथ महिलाओं को भी इस दिशा में सोचना होगा। इससे इतर अपनी बेहतरी के लिए आगे आना होगा। तभी नए उभरते भारत में महिलाएं भी अपनी बेहतर सामाजिक आर्थिक स्थिति बना सकती है। वरना पितृसत्तात्मक समाज का क्या है, वह तो कोई नई बेड़ियां महिलाओं के पैरों में डालकर उसे नए भारत में भी कठपुतली ही समझेगा, क्योंकि उसकी फितरत में यह सदियों से रहा है। वह सिर्फ़ बात समानता की कर सकता, लेकिन अमल करने की बारी आने पर उसका पौरुष जाग उठता है। जो उसके बदलाव करने की सोच पर अड़ंगे डाल देता है। तभी तो वर्तमान समय में भी राजनीति में महिलाओं की भागीदारी 15 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाई है।

चेर नामक एक दार्शनिक का मानना था कि महिलाएं समाज की सच्ची शिल्पका होती है। ऐसे में आधुनिकता के दौर में महिलाओं को समाज के अभिन्न अंग के रूप में क्यों स्वीकार नही किया जा रहा है। आज भी महिलाओं को सिर्फ भोग विलास की वस्तु ही समझा जा रहा है। स्त्री पुरूष दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू है किसी एक के न होने से दूसरे की कल्पना करना असंभव है। महिलाएं पुरुषों से कम नहीं हैं, उनको भी समान हक है जीवन जीने का ,आजाद रहने का , और उचित वेतन पाने का फिर यह भेदभाव क्यों? इस पर आज समाज के हर वर्ग को जागरूक होने की आवश्यकता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में महिलाओं को उचित स्थान मिले जिसकी वह हकदार हैं। मत बनाइए उन्हें देवीस्वरूपा। मत कहिए जगत जननी लेकिन एक सामाजिक प्राणी होने के वो सभी अधिकार तो दिए ही जा सकते है। जो एक समाज में रहने वाले हर प्राणी के लिए जरूरी है। ऐसे में जब संविधान निर्माता डॉक्टर अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे और उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जा सकता है कि उस समाज में महिलाओं की स्थिति क्या है। फ़िर क्यों नहीं मानते अंबेडकर की बात। क्यों नहीं मानते हम उनके विचार। निकलिए बाहर दोमुंहे चरित्र से। जिसमें एक ओर संविधान की जय जयकार करते और दूसरी ओर उसी संविधान की अच्छी बातों पर भी अमल नहीं करते। बेहतर और नया भारत नियमों पर चलकर ही बनेगा। सिर्फ़ बातों से नहीं। समाज में रहने वाला हर प्राणी बराबर है। सभी का समान अधिकार और कर्तव्य। यह भावना जब तक विकसित नहीं होगी असमानता और अवन्नति की राह हमारा पीछा नहीं छोड़ेगी। यह हम जितना जल्दी समझ जाएं, वहीं बेहतर होगा। (लेखिका- सोनम लववंशी/ ईएमएस)

जलवायु को विनियमित कर सकता है वर्षावन

वर्षावन विविध पारिस्थितिकी तंत्र हैं जो कई पारिस्थितिक लाभ प्रदान करते हैं, जैसे कि जलवायु को विनियमित करना, विभिन्न प्रकार के पौधों और जानवरों की प्रजातियों का समर्थन करना और आवश्यक संसाधन प्रदान करना। विश्व वर्षावन दिवस जलवायु स्थिरता, जैव विविधता, सांस्कृतिक संरक्षण और आजीविका के लिए संधारणीय और स्वस्थ वर्षावनों के महत्व को पहचानने का समय है। यह वर्षावनों के प्रति प्रशंसा दिखाने और वनों की कटाई को रोकने के लिए कार्रवाई करने का भी दिन है। वर्षावन भागीदारी द्वारा 2017 में स्थापित, विश्व वर्षावन दिवस का उद्देश्य अमेज़ॉन में समुदाय-आधारित परियोजनाओं के माध्यम से उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की रक्षा और उन्हें बहाल करना है। संगठन वार्षिक विश्व वर्षावन दिवस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करता है, जहाँ दुनिया भर के व्यक्ति और समूह वर्षावन संरक्षण की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एकत्रित होते हैं। हर साल, लाखों पेड़ काटे जाते हैं, जिससे दुनिया भर में वन और वर्षावन नष्ट हो जाते हैं। 2021 में, विश्व वर्षावन दिवस शिखर सम्मेलन शुरू किया गया था, जहाँ दुनिया भर के सभी क्षेत्रों के लोग और संगठन हमारे वर्षावनों की रक्षा के लिए क्या किया जा सकता है, इस पर चर्चा करने के लिए एक साथ आएं हम न केवल इन पेड़ों को गिरा रहे हैं, बल्कि लोगों के घरों को भी नष्ट कर रहे हैं, और ऐसा करके जानवरों और कीड़ों को मार रहे हैं। यहाँ उन कारणों की सूची दी गई है कि वर्षावनों की रक्षा के लिए इस दिन को क्यों बनाया गयाः वर्षावन बहुत अधिक कार्बन जमा करते हैं, जो जलवायु विनियमन के लिए महत्वपूर्ण है। वर्षावन लाखों लोगों का घर हैं। पृथ्वी की 50ऱ से अधिक जैव विविधता वर्षावनों में पाई जा सकती है। वर्षावन के बारे में रोचक तथ्य वर्षावन अद्भुत हैं! आपको यह समझने में मदद करने के लिए, यहाँ वर्षावनों के बारे में कुछ शीर्ष तथ्य दिए गए हैंः वर्षा की एक बूंद को वर्षावन की छतरी के ऊपर से फर्श तक पहुँचने में दस मिनट तक का समय लग सकता है। आधुनिक दवाओं में एक चौथाई तत्व वर्षावन के पौधों से आते हैं। ऑस्ट्रेलियाई वर्षावनों में 80ऱ फूल दुनिया में कहीं और नहीं पाए जा सकते। वर्षावनों में साल में कम से कम 250 सेमी बारिश होती है। कभी-कभी, 1000 सेमी से भी ज़्यादा बारिश होती है! वर्षावन दुनिया भर में तापमान को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। अमेज़ॅन वर्षावन दुनिया का सबसे बड़ा वर्षावन है, यह आठ देशों में फैला हुआ है और भारत से दोगुना बड़ा है! विश्व वर्षावन दिवस 2024 मनाने और उसमें हिस्सा लेने के कई तरीके हैं, यहाँ हमारे शीर्ष सुझाव दिए गए हैंः अपने आप को और अपनी कक्षा को वर्षावनों और उनके महत्व के बारे में शिक्षित करें। लोगों को ऐसे उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित करें जो वर्षावनों को वापस देते हैं। ऐसे उत्पाद खरीदने से बचें जिनमें पाम ऑयल हो।वर्षावनों की रक्षा करने में मदद करने वाले चैरिटी के लिए धन जुटाने के लिए एक धन उगाहने वाला कार्यक्रम आयोजित करें।ये कुछ तरीके हैं जिनसे आप विश्व वर्षावन दिवस 2024 मना सकते हैं और उसमें हिस्सा ले सकते हैं। देखें कि क्या आप इस महान कार्यक्रम में भाग लेने के किसी अन्य तरीके के बारे में सोच सकते हैं! आप विश्व वर्षावन दिवस 2024 पर बच्चों को वर्षावनों के बारे में सिखाने और हमें उन्हें क्यों संरक्षित करने की आवश्यकता है, यह सिखाने के लिए कर सकते हैं। आप यहाँ बहुत सारे वर्षावन संसाधन पा सकते हैं। बच्चों को वर्षावनों के बारे में जानने में मदद करें और इस बेहतरीन गतिविधि का उपयोग करके उनकी पठन समझ को बेहतर बनाने में उनकी मदद करें।वर्षावन पशु तथ्य के साथ बच्चों को वर्षावन में पाए जाने वाले विभिन्न जानवरों के बारे में सिखाएँ। बच्चों को यह सिखाने के लिए इस पावरपॉइंट का उपयोग करें कि उष्णकटिबंधीय वर्षावन कहाँ पाए जा सकते हैं। इसमें बच्चों को सोचने के लिए प्रेरित करने वाले बहुत सारे बेहतरीन प्रश्न शामिल करें। (लेखक- संजय गोस्वामी / ईएमएस)

भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने पर हो रहा है विचार

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था स्टैंडर्ड एंड पूअर ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था का आंकलन करते हुए भारत के सम्बंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक किया है एवं कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी विभिन्न पैमानों का एवं भारत के राजकोषीय घाटे से सम्बंधित आंकड़ों का लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रहा है। यदि उक्त दोनों क्षेत्रों में लगातार सुधार दिखाई देता है तो भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया जा सकता है। वर्तमान में भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग "- है, जो निवेश के लिए सबसे कम रेटिंग की श्रेणी में गिनी जाती है।

किसी भी देश की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को यदि अपग्रेड किया जाता है तो इससे उस देश में विदेशी निवेश बढ़ने लगते हैं क्योंकि निवेशकों का इन देशों में पूंजी निवेश तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माना जाता है। साथ ही, अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग प्राप्त देशों की कम्पनियों को अन्य देशों में पूंजी उगाहना न केवल आसान होता है बल्कि इस प्रकार लिए जाने वाले ऋण पर ब्याज की राशि भी कम देनी होती है। किसी भी देश की जितनी अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग होती है उस देश की कम्पनियों को कम से कम ब्याज दरों पर ऋण उगाहने में आसानी होती है।

भारत में हाल ही में केंद्र में नई सरकार के गठन सम्बंधी प्रक्रिया सम्पन्न हो चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद मोदी सहित केंद्रीय मंत्रीमंडल के समस्त सदस्यों को विभागों का आबंटन भी किया जा चुका है। केंद्र सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों के दौरान लिए गए आर्थिक निर्णयों का भरपूर लाभ देश को मिला है। इससे देश के आर्थिक विकास को गति मिली है एवं आज भारत, विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में अपार कमी दृष्टिगोचर है। देश में बहुत बड़े स्तर पर वित्तीय समावेशन हुआ है, जनधन योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक बैंक बचत खाते खोले जा चुके हैं एवं इन बचत खातों में आज लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपए की राशि जमा है, इस राशि का उपयोग देश के आर्थिक विकास के लिए किया जा रहा है। रोजगार के नए अवसर भारी संख्या में निर्मित हुए हैं। देश में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर लगभग 2200 अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष तक पहुंच गई है। देश के कुछ राज्यों में तो किसानों की आय दुगने से भी अधिक हो गई है। भारत में विदेशी निवेश भारी मात्रा में होने लगा है एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भारत में ही करने लगी हैं। इससे देश में विनिर्माण इकाईयों (उद्योग क्षेत्र) की विकास दर 8-9 प्रतिशत के पास पहुंच गई है। मंदिर की अर्थव्यवस्था एवं लगातार तेज गति से आगे बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन के चलते भारत में आर्थिक विकास की दर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से भी अधिक रही है।

भारत, अपने आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से आधारभूत ढांचें को विकसित करने के लगातार प्रयास कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.5 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान देश के आधारभूत ढांचे को विकसित करने हेतु किया गया था, जिसे वित्तीय वर्ष 2023-24 में 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया था एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इसे और अधिक बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपए का कर दिया गया है। आधारभूत ढांचे को विकसित करने से देश में उत्पादकता में सुधार हुआ है एवं विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत में कमी आई है। जिससे, कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को भारत में स्थापित करने हेतु आकर्षित हुई हैं। स्टैंडर्ड एंड पूअर का तो यह भी कहना है कि भारत जिस प्रकार की आर्थिक नीतियों को लागू करते हुए आगे बढ़ रहा है और केंद्र में नई सरकार के आने के बाद से अब सम्भावनाएं बढ़ गई हैं कि भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम बहुत तेजी के साथ किए जाएंगे इससे कुल मिलाकर भारत की आर्थिक विकास दर को लम्बे समय तक 8 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखा जा सकता है।

भारत ने अपने आर्थिक विकास की गति को तेज रखते हुए अपने राजकोषीय घाटे पर भी नियंत्रण स्थापित कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत का राजकोषीय घाटा 17 लाख 74 हजार करोड़ रुपए का रहा था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 16 लाख 54 हजार करोड़ रुपए का रह गया है। यह राजकोषीय घाटा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5.8 प्रतिशत था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 5.6 प्रतिशत रह गया है। भारत के राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5.1 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4.5 प्रतिशत तक नीचे लाने के प्रयास केंद्र सरकार द्वारा सफलता पूर्वक किए जा रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी जैसे विकसित देश भी अपने राजकोषीय घाटे को कम नहीं कर पा रहे हैं परंतु भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान यह बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। सरकार का खर्च उसकी आय से अधिक होने पर इसे राजकोषीय घाटा कहा जाता है। केंद्र सरकार ने खर्च पर नियंत्रण किया है एवं अपनी आय के साधनों में अधिक वृद्धि की है। यह लम्बे समय में देश के आर्थिक स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बहुत महत्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आया है। भारत के कुछ राज्यों (पंजाब, पश्चिम बंगाल, केरल, आदि) में राजकोषीय घाटे को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है, परंतु केंद्र सरकार एवं कुछ अन्य राज्य (उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु आदि) जरूर अपने राजकोषीय घाटे को सफलता पूर्वक नियंत्रित कर पा रहे हैं। राजकोषीय घाटा मलेशिया, फिलिपीन, इंडोनेशिया, थाईलैंड, वियतनाम जैसे देशों में 4 प्रतिशत से कम है जबकि भारत में केंद्र सरकार एवं समस्त राज्यों का कुल मिलाकर राजकोषीय घाटा 7.9 प्रतिशत है। उक्त वर्णित समस्त देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग " है जबकि भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग "- है। अतः भारत के कुछ राज्यों को तो अपने राजकोषीय घाटे को कम करने हेतु बहुत मेहनत करने की आवश्यकता है।

राजकोषीय घाटे को कम करने में भारत को सफलता इसलिए भी मिली है कि देश 20 से अधिक करों को मिलाकर केवल एक कर प्रणाली, वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली, को सफलता पूर्वक लागू किया गया है। आज वस्तु एवं सेवा कर के रूप में भारत को औसत 1.75 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रतिमाह अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त हो रही है। साथ ही, प्रत्यक्ष कर के संग्रहण में भी 20 प्रतिशत की भारी भरकम वृद्धि परिलक्षित हुई है। भारत में बैंकिंग व्यवस्थाओं के डिजिटलीकरण को ग्रामीण इलाकों तक में लागू करने से भारतीय अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बहुत तेज गति से हुआ है, जिससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर संग्रहण में भारी भरकम वृद्धि हुई है। जबकि केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों ने अपने गैर योजना खर्च की मदों पर किए जाने वाले व्यय पर नियंत्रण करने में सफलता भी पाई है। इसके कारण राजकोषीय घाटे को लगातार प्रति वर्ष कम करने में सफलता मिलती दिखाई दे रही है।

कुल मिलाकर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग का आंकलन करने वाले विभिन्न संस्थान भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर बहुत उत्साहित हैं एवं आर्थिक प्रगति के साथ साथ राजकोषीय घाटे को कम करते हुए भारत द्वारा जिस प्रकार अपनी वित्त व्यवस्था को नियंत्रण में रखने का काम सफलता पूर्वक किया जा रहा है, इससे यह संस्थान भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने हेतु गम्भीरता से विचार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। स्टैंडर्ड एंड पूअर ने तो घोषणा भी कर दी है कि आगे आने वाले दो वर्षों तक वह भारत की आर्थिक प्रगति, आधारभूत ढांचे को विकसित करने एवं राजकोषीय घाटे को कम करने सम्बंधी प्रयासों का गम्भीरता से विवेचन कर रहा है और बहुत सम्भव है कि वह आगामी दो वर्षों में भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड कर सकने की स्थिति में आ जाए। (लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

परीक्षाओं में धांधली से योग्यता हो गई पैर की जूती!

मोदी सरकार ने नीट परीक्षा के 47 दिन बाद एनटीए में सुधार के लिए एक कमेटी बनाने का बंनाने का एलान किया है, जबकि छात्र इससे संतुष्ट नही है और वे समस्या की जड़ में जाकर उसे समाप्त करना चाहते हैं। उनका कहना है कि बार-बार पेपर लीक होने से योग्यता पैरों की जूती बनकर रह गई है। एनटीए का गठन सन 2018 में किया गया था, लेकिन उसके बाद से लगभग हर साल परीक्षा में गड़बड़ी और धांधली के आरोप लगते रहे हैं। तभी तो एनटीए के अध्यक्ष सुबोध कुमार को हटाना पड़ा है।

एनटीए यानि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी का गठन इसलिए किया गया था, ताकि प्रवेश परीक्षाओं को निष्पक्ष कराया जा सके, लेकिन एनटीए परीक्षाओं को कराने में बार-बार फेल हो रही है। इसी कारण सीएसआईआर, यूजीसी व नेट की परीक्षाओ को स्थगित करना पड़ा है। ये परीक्षा 25 से 27 जून के बीच होनी थी। परीक्षा आगे बढ़ाने की वजह संसाधनों की कमी बताई गई है, लेकिन सरकार के इस कदम ने एनटीए को लेकर छात्रों की आशंका को बढ़ाने का ही काम किया है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जिस एजेंसी का गठन परीक्षा में भरोसा बढ़ाने के लिए किया गया, उसकी विश्वसनीयता खत्म होने के लिए कौन जिम्मेदार है?साथ ही नीट परीक्षा धांधली में जो लोग गिरफ्तार किए गए है और जिन्होंने पैसे देकर परीक्षा प्रश्न पत्र व उनके उत्तर ,परीक्षा से पहले प्राप्त किए ,वह व्यापक भ्रष्टाचार का प्रमाण नही है?इन सब मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी भी सबको हैरान कर रही है,जो परीक्षा पे चर्चा करते नही थकते थे। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, बिहार, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, असम, अरुणाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर देश के इन 15 राज्यो में पिछले 5 साल के अंदर 41 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए है। जिससे करोड़ों छात्र पीड़ित प्रभावित हुए है। नीट की परीक्षा में गड़बड़ी के बाद हो रहे युवाओं के विरोध ने तो इस आक्रोश को सड़को पर लाकर खड़ा कर दिया है। इन युवाओं का कहना है कि ऐसी कौन सी बात है कि जो बार-बार पेपर लीक हो रहे हैं,हम कैसी दुनिया में जी रहे हैं कि हम सालभर मेहनत करते हैं फिर पेपर लीक हो जाता है। जिससे पूरी व्यवस्था ही खराब हो जाती है। बार-बार वही गलतियां दोहराने से सरकार की भी फजीहत हो रही हैं। ऐसे में सवाल ये है कि इसमें सुधार क्यों नहीं हो रहा है। युवा पूछते हैं कि जो एन टी ए परीक्षा करवाने में सरकार असफल क्यो साबित हो रही है, इस व्यवस्था को कौन ठीक करेगा? विपक्ष के सशक्त नेता राहुल गांधी खुद इस मुद्दे पर मोदी सरकार को घेर रहे है। अब नीट की परीक्षा रद्द हो या न हो, छात्रों के एक वर्ग का नाखुश होना तय है। हालांकि शिक्षामंत्री छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ न होने की बात कह रहे हैं, लेकिन छात्रों का सवाल ये है कि जब नेट की परीक्षा प्राटिप्पणीकारथमिक इनपुट के आधार पर रद्द कर दी गई है। तो फिर ऐसा नीट को लेकर ऐसा क्यों नहीं किया गया। नेट की तैयारी कर रही श्रद्धा सरकार से पूछना चाहती हैं कि अगली बार परीक्षा का पेपर लीक नहीं होगा इसकी क्या गारंटी है? अब चाहे राज्यों में भर्ती परीक्षा हो या फिर दाखिले के लिए कोई परीक्षा, हर छात्र को पेपरलीक और परीक्षा में धांधली का डर सताता रहा है। नीट परीक्षा में धांधली को लेकर सरकार की कमेटी,सीबीआई या पुलिस किसे जिम्मेदार ठहराती है,यह तो रिपोर्ट आने पर ही पता चलेगा,लेकिन युवाओं की नज़र में लचर व्यवस्था व आकंठ व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते मोदी सरकार अपने दायित्व या फिर जिम्मेदारी से पल्ला नही झाड़ सकती। केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा नीट परीक्षा की पोल खुल जाने पर भी बिना वास्तविकता जाने परीक्षा व्यवस्था को क्लीन चिट देना गलत ही कहा जाएगा। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस) (लेखक ज्वलंत मुद्दों के चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

शब्द पहेली - 8048

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान-2
3.सुंदर,खूबसूरत-3
6.सलाह,मत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रूई का पौधा-3
17.आयोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल,हत्या-2
23.नौकरानी-3
25.गाने का ढंग, शैली-2
26.मुलायम-3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन-3
30.तृतीय, दूसरे के बाद-3
32.सेनापति, अगुवा-3
35.भीरु,डरपोक-3
37.कथा,गाथा-3
39.वध,मर्डर-2
40.राहु का एक पुत्र-3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं-2
2.बसंत का समय-3
4.हद,सरहद-2
5.स्वर्ग का विलोम-3
7.यमराज,मृत्यु देवता-2
9.नृत्य करना-3
11.अपवित्र-3
13.असफल-3
15.सहज, आसान-3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना-3
18.आराम, मदद, चैन-3
20.मुखिया, सरदार-3
22.भूमि, वसुंधरा-3
24.क्रुद्ध, खफा होना-3
27.मक्खन-3
29.योग्य, काबिल, गुणवान-3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ-3
33.एक जाती जो प्राय: डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है-3
34.रास्ता, मार्ग-2
36.एक अंग्रेजी शराब-2
38.एक औषधीयुक्त पेड़-2

शब्द पहेली -8047 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

शुभमन की कप्तानी में जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी भारतीय टीम रियान , अभिषेक, नीतीश कुमार और तुषार को मिला अवसर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह होने वाले जिम्बाब्वे दौरे में शुभमन गिल की कप्तानी में उतरेगी। बीसीसीआई ने आज इस दौरे के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे में 5 मैचों की टी20 सीरीज हरारे में खेली जाएगी। इस दौरे के लिए युवा खिलाड़ियों रियान पराग, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार और तुषार देशपांडे को भी पहली बार जगह मिली है। इन युवा खिलाड़ियों ने आईपीएल के साथ ही घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं आईपीएल के बाद टीम से बाहर चल रहे शुभमन को भी कप्तान की अहम जिम्मेदारी मिली है। शुभमन ने आईपीलएल में गुजरात टाइटंस की कप्तानी की थी।

युवा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को भी इस दौरे के लिए टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा अनुभवी यशस्वी जायसवाल, रुतुराज गायकवाड़, रिंकू सिंह, संजू सैमसन, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को भी टीम में जगह मिली है। इन सभी खिलाड़ियों को टी20 विश्व में अवसर नहीं मिला है। ऐसे में इनके पास इस दौरे में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर रहेगा।

इस दौरे का पहला मैच 6 जुलाई को होगा। दूसरा टी20 सात जुलाई को हरारे में ही खेला जाएगा। वहीं तीसरा मैच 10 को, चौथा 13 को जबकि पांचवां और आखिरी टी20 मैच 14 जुलाई को खेला जाएगा।

टीम इस प्रकार हैः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेट कीपर), ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), नितीश रेड्डी, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे।

भारतीय महिला और पुरुष तीरंदाजी टीमों को पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा मिला

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला और पुरुष तीरंदाजी टीमों को आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा मिल गया है। भारतीय तीरंदाजों को ताजा रैंकिंग के आधार पर ये कोटा मिला है। भारतीय पुरुष और महिला टीमें क्वालीफाई नहीं कर पायी टीमों की रैंकिंग में सबसे ऊपर थीं। इसी आधार पर उन्हें ये कोटा मिला है। अब भारतीय तीरंदाज ओलंपिक में सभी पांच पदक स्पर्धाओं में उतर सकेंगे।

पुरुष वर्ग में रैंकिंग के आधार पर भारत और चीन को कोटा मिला है जबकि महिला वर्ग में भारत के अलावा इंडोनेशियाई तीरंदाजों को कोटा मिला है। ओलंपिक में 12 देश की टीमें तीरंदाजी स्पर्धाओं में उतरेंगी जबकि मिश्रित प्रतियोगिताओं में पांच टीमें ही प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह पहली बार है जब तीन चरण के ओलंपिक क्वालीफायर से बाहर रहने वाले शीर्ष दो देशों को टीम कोटा मिला है। अब भारत के अनुभवी तीरंदाज तरूणदीप रॉय और दीपिका कुमारी चौथी बार ओलंपिक में भाग लेंगे। तरूणदीप ने साल 2004 में एथेंस ओलंपिक में पहली बार देश का प्रतिनिधित्व किया था। जबकि दीपिका का यह लगातार चौथा ओलंपिक होगा। उन्होंने 2012 में लंदन में पहली बार ओलंपिक खेलों में भाग लिया था। प्रवीण जाधव लगातार दूसरी बार ओलंपिक में उतरेंगे। वहीं धीरज बोम्मदेवरा, अंकिता भकत और भजन कौर ओलंपिक में पहली बार उतरेंगे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीका को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 215 रन बनाये। इसके बाद स्मृति मंधाना की 90 रनों की पारी से भारतीय टीम ने 40.4 ओवर में ही चार विकेट पर 220 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना ने पहले विकेट के लिए शेफाली वर्मा 25 के साथ 71 गेंद में 61 जबकि दूसरे विकेट के लिए प्रिया पूनिया 28 के साथ 66 गेंद में 62 रन बनाये। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत कौर 42 के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 48 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत ने 48 गेंद की पारी में दो चौके लगाये। वहीं इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम की ओर से कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने 61 रन बनाकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दी। लॉरा ने तैजमिन ब्रिट्स 38 के साथ पहले विकेट के लिए 119 गेंद में 102 रन की साझेदारी की।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना और शेफाली ने अच्छी शुरुआत की। मंधाना ने छठे ओवर में नेदिन डि क्लर्क के खिलाफ तीन चौके लगाये। मंधाना ने 18वें ओवर में नोनदुमिसो शेनगेस के खिलाफ चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। पूनिया ने 40 गेंद की पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। मंधाना तेजी से शतक की ओर बढ़ रही थी लेकिन नॉनकुलुलेको म्लाबा की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में वह कैच हो गयीं। इसके बाद हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्स ने नाबाद 19 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। रिचा घोष ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी।

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

एंटीगा (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टी20 विश्व कप के पहले सुपर 8 मुकाबले में मेजबान टीम वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। बारिश से प्रभावित इस मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 135 रन बनाये। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम को डकवर्थ नियम के अनुसार 17 ओवर में 123 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने पांच गेंद शेष रहते हुए सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टॉस जीत कर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया।

वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शाई होप पहली ही गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद काइल मेयर्स ने 35 रन बनाए जबकि निकलस पूरन 3 गेंदों में ही एक रन बनाकर आउट हो गये। वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज ने 42 गेंदों पर सबसे अधिक 52 रन बनाए जबकि आंद्रे रसेल ने 15 रन बनाए। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से तबरैज शम्सी ने 3 विकेट लिए। इसके बादा लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। दोनों ही बल्लेबाज शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। क्विंटन डिकॉक 12 रन जबक रीजा हैंडरिक्स पहली ही गेंद पर पूरन का शिकार बने। इसके बाद बारिश आ गई जिसके बाद टीम को मिला लक्ष्य कर करके 123 रन कर दिया गया।

कप्तान एडेन मार्कराम भी 18 बनाकर आउट हो गये। हेनरिक क्लासेन ने 22 रन बनाकर टीम को संभाला जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने 29 रन बनाये। डेविड मिलर केवल 4 रन ही बना पाये। अंतित ओवर में दक्षिण अफ्रीकी टीम को जीत के लिए 5 रन चाहिए थे। ऐसे में मार्को यानसेन ने पहली गेंद पर ही छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज ने 3, आंद्रे रसेल ने 2 और अल्जारी जोसेफ ने भी इतने ही विकेट लिए। इस मैच में मिली हार के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम का टी20 विश्व कप में सफर समाप्त हो गया।

टी20 विश्वकप सुपर आठ में अमेरिका को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी इंग्लैंड

सेंट लूसिया (ईएमएस)। इंग्लैंड की टीम टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। इंग्लैंड ने सुपर आठ आठ क्रिकेट मुकाबले में अमेरिका को दस विकेट से हराकर सबसे पहले अंतिम चार में जगह बनायी। गत विजेता इंग्लैंड ने इस मैच में सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया।

इस मैच में इंग्लैंड की जीत में क्रिस जॉर्डन और कप्तान जोस बटलर की अहम भूमिका रही। जॉर्डन ने चार विकेट लिए जबकि बटलर ने 38 गेंद में नाबाद 83 रन बनाये। इस मैच का आकर्षण बटलर की आक्रामक पारी रही। बटलर ने अमेरिकी गेंदबाजी हरमीत सिंह के एक ओवर में लगातार पांच छक्के लगाए जिससे इंग्लैंड की टीम ने 9.4 ओवर में ही 116 रनों के आसान से लक्ष्य को हासिल कर लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिकी टीम 18.5 ओवर में 115 रन ही बना पायी। इस दौरान तेज गेंदबाज जॉर्डन ने हैट्रिक के साथ ही केवल 10 रन देकर चार विकेट लिए जबकि आदिल राशिद ने 13 रन दो विकेट लिए। इसके अलावा सैम कुरेन ने भी 23 रन देकर दो खिलाड़ियों को आउट किया।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी लिवाली होने से बाजार संभल गया और अंत में बढ़त पर बंद हुआ। आज सुबह से ही बाजार में गिरावट देखी गयी पर बेंचमार्क सूचकांक सत्र के दूसरे भाग में कुछ हद तक नुकसान की भरपाई हुए नजर आये।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 131.18 अंक करीब 0.17 फीसदी बढ़कर 77,341.08 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 36.75 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ अंत में 23,537.85 अंक पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इसमें एमएंडएम, पावर ग्रिड, सन फार्मा, नेस्ले इंडिया और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर रहे। इसके अलावा एनटीपीसी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल, एलएंडटी, टीसीएस, एशियन पेंट्स आदि रहे।

वहीं सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 नुकसान के साथ ही नीचे आये। इनमें इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, रिलायंस और एक्सिस बैंक के शेयर रहे। इसके अलावा बजाज फाइनैंस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, एसबीआई, टाटा मोटर्स और कोटक बैंक नुकसान में रहे।

इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 330 अंक नीचे आकर 76,877 के स्तर पर और निफ्टी 119.80 अंक गिरकर 23,382.30 पर खुला। निवेशकों ने आगामी जीएसटी बैठक को देखते हुए खरीदारी में सावधानी बरती जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा।

वहीं एशिया-पेसिफिक बाजार में भी गिरावट देखने को मिली। जापान के बाहर एशिया-पेसिफिक शेयरों में एमएससी इंडेक्स पिछले सप्ताह दो साल के शीर्ष स्तर तक पहुंचनेके बाद 0.1 फीसदी नीचे आया। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.61 फीसदी टूटा, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 0.59 फीसदी गिरा जबकि जापान का निक्केई 0.413 फीसदी फिसदी गिरा। अमेरिका में पिछला सत्र मिला-जुला रहा। एसएंडपी 500 0.16 फीसदी और नैस्डैक 0.18 फीसदी टूटा जबकि डॉव जोन्स में 0.04 फीसदी की बढ़त आई। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने जून महीने में 21 तारीख तक 1,237.21 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 217.13 अंक या 0.28 फीसदी के लाभ में रहा। वहीं निफ्टी 35.5 अंक या 0.15 फीसदी बढ़ गया।

कश्मीर के सेब तो खूब खाए अब मुजफ्फरपुर का सेब खाकर देखें

मुजफ्फरपुर,(ईएमएस)। सेब जो हमारी सेहत को भी बेहतर बनाता है। इसलिए डॉक्टर रोज एक सेब खाने की सलाह देते हैं। सेब की खेली ज्यादा तरह कश्मीर, शिमला और हिमाचल प्रदेश में होती है लेकिन अब बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सकरा प्रखंड के गन्नीपुर बेझा गांव के एक किसान रामनंदन प्रसाद अनोखी खेती के लिए सुर्खियों में हैं। उन्होंने भीषण गर्मी वाले इलाके में सेब की खेती कर सफलता हासिल की है और लाखों रुपए कमा भी रहे हैं। गणित में एमएससी करने वाले रामनंदन ने सरकारी नौकरी न कर खेती को ज्यादा तरजीह दी। उन्होंने तीन साल पहले सेब के बागान लगाए और आज वे अन्ना और एचआरएम एन99 किस्म के सेब की खेती रहे हैं जो 50 डिग्री तक तापमान सहन कर सकते हैं।

दरअसल, सेब की खेती अमूमन ठंडे प्रदेश कश्मीर, शिमला, हिमाचल प्रदेश जैसे स्थानों पर ही की जाती है, लेकिन मुजफ्फरपुर के रामनंदन ने इस भीषण गर्मी में भी सेब ऊगा कर लाखों रुपए कमा रहे हैं। रामनंदन ने तीन साल पहले पारंपरिक खेती छोड़ कर सेब के बागान लगाए, जिसमें सेब आने लगे हैं, जिसकी डिमांड मार्केट में काफी है। जानकारी के मुताबिक पहले साल में ही उनके 100 पौधों से दस क्विंटल सेब की पैदावार हुई है। उनका अनुमान है कि जैसे-जैसे पौधे बड़े होंगे, पैदावार बढ़ती जाएगी और पांच साल में एक पेड़ 50 किलो सेब देने लगेगा। रामनंदन जैविक खाद और सिंचाई पर अधिक ध्यान देते हैं। वे किसानों को सेब की खेती के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं और उन्हें ट्रेनिंग भी दे रहे हैं। इतना ही नहीं, रामनंदन फार्मर प्रोडयूसर कंपनी के तहत भी काम कर रहे हैं, जहां वे कई प्रकार के फल उगाते हैं। उन्होंने कश्मीर जाकर सेब की खेती देखी और वहां से पौधे लाकर अपने खेत में लगाए। रामनंदन का मानना है कि सेब की खेती में अच्छी संभावनाएं हैं और किसान इससे अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

25000 से कम आय वाले कर्ज में, अधिक आय वालों का खर्च कम-बचत ज्यादा

मुंबई (ईएमएस)। मनी व्यू सेविंग्स इंडेक्स 2024 के सर्वे में जो जानकारी सामने आई है। उसके अनुसार भारत में उच्च आय वाले लोग अपनी कमाई की तुलना में खर्च कम करते हैं। बचत ज्यादा करते हैं। जिन लोगों की कमाई 50000 रूपये मासिक से ज्यादा की है। उनमें से 72 फ़ीसदी लोग बचत पर विशेष ध्यान देते हैं।

जिन लोगों की कमाई 25000 रूपये से कम की है। उनकी कुल आय का 50 फ़ीसदी हिस्सा घरेलू खर्च में चला जाता है। 25 फ़ीसदी खर्च लोन की किस्त चुकाने में होता है। इस आय वर्ग के बहुत कम लोग 10 से 15 फ़ीसदी की बचत कर पाते हैं। वह भी जिनके परिवार बहुत छोटे होते हैं।

कम और निम्न आय वर्ग के लोग बचत खाते और एफडी में पैसा रखना पसंद करते हैं। ज्यादा पैसा कमाने के चक्कर में म्युचुअल फंड और शेयर बाजार में रुचि अब बढ़ रही है। टेलीविजन में आने वाले विज्ञापनों के कारण निम्न एवं मध्यम वर्ग म्युचुअल फंड और शेयर बाजार में बचत करने की सोचने लगा है। इसके बाद भी निम्न और मध्यम वर्ग कम जोखिम और शार्ट टूर्म वाली बचत में पैसा निवेश करना चाहते हैं।

उच्च आय वर्ग के लोग एफडी, बीमा और म्युचुअल फंड में निवेश करने में प्राथमिकता देते हैं। इस सर्वे में यह बात सामने आई। निम्न मध्यम वर्ग और उच्च आय वर्ग के 75 फ़ीसदी लोग प्रॉपर्टी में निवेश करने की सोचते हैं। 21 फ़ीसदी प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए विशेष प्रयत्न करते हैं। निम्न एवं मध्यम वर्ग के परिवार, शिक्षा, इमरजेंसी फंड, शादी इत्यादि के लिए बचत के अलग-अलग तौर तरीके अपनाते हैं।

सोने में तेजी , चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोमवार को सोने के वायदा भाव में तेजी आई जबकि चांदी के वायदा भाव नीचे आये हैं। सोने के वायदा भाव सुबह 71,750 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में बढ़त रही जबकि चांदी के वायदा भाव नीचे आये। दूसरी ओर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 132 रुपये की बढ़त के साथ 71,716 रुपये के भाव पर खुला। ये इसने 71,744 रुपये के भाव पर दिन केउच्च और 71,646 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव पिछले माह 74,442 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

चांदी के वायदा भाव में आज बढ़त रही पर बाद में ये नीचे आने लगे। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 37 रुपये की तेजी के साथ 89,176 रुपये पर खुला। ये अनुबंध 41 रुपये की गिरावट के साथ 89,098 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,271 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 88,909 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर को हासिल किया। पिछले माह ही चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही जबकि सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। कामेक्सा पर सोना 2,333.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,331.20 डॉलर प्रति औंस था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.57 डॉलर के भाव पर खुले। इनका पिछला बंद भाव 29.61 डॉलर था।

आपके काम की खबर......1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड को लेकर होगा बदलाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल बिल पेमेंट के लिए करते हैं, तब ये खबर आपके काम की है। जुलाई का महीना शुरू होने वाला हैं, नए महीने के शुरू होते ही क्रेडिट कार्ड से बिल पेमेंट करने का तरीका बदल जाएगा। 1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट को लेकर आरबीआई के कुछ नियम लागू हो रहे हैं, जिनका सीधा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो क्रेडिट कार्ड के द्वारा बिल पेमेंट का इस्तेमाल करते हैं। इसका मकसद पेमेंट की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और इसकी सुरक्षा बढ़ाना है। कुछ प्लेटफॉर्म के द्वारा क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट में मुश्किल हो सकती है। इसमें क्रेड, फोनपे, बिलडेस्क जैसे कुछ प्रमुख फिनटेक शामिल हैं।

दरअसल रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने निर्देश दिए हैं कि 30 जून के बाद सभी क्रेडिट कार्ड पेमेंट भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) के जरिए से प्रोसेस की जानी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक ने बीबीपीएस एक्टिवेट नहीं किया है। वहीं इन बैंकों ने अभी तक निर्देशों का पालन भी नहीं किया है। अभी तक सिर्फ 8 बैंकों ने ही बीबीपीएस पर बिल पेमेंट सक्रिय किया है।

भारत बिल पेमेंट सिस्टम बिल पेमेंट का इंटीग्रेटेड सिस्टम है, जो ग्राहकों को ऑनलाइन बिल पेमेंट सर्विस देती है। यह बिल पेमेंट के लिए एक इंटरऑपरेबल प्लेटफॉर्म है। यह सिस्टम नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई के अंतर्गत काम करता है। यूपीआई और रूपे पे की तरह बीबीपीएस को भी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बनाया है। भारत बिल-पे एक इंटरफेस है, जो क्रेड, फोनपे, बिलडेस्क, भीम, पेटीएम, मोबिक्विक जैसे ऐप पर मौजूद है। इसके जरिए एक ही प्लेटफॉर्म पर सारे बिल का पेमेंट किया जा सकता है।

गाजा में जल्द खत्म होगा युद्ध, हमास के खिलाफ जारी रहेगा संघर्ष

-इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने एक साक्षात्कार में कहा

यरूशलेम,(ईएमएस)। गाजा के रफाह में इजराइली सेना राहत शिविरों को निशाना बना रही है जिसमें कई मासूम जिंदगियां दम तोड़ रही हैं। इजराइल की इस हरकत की पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है लेकिन इजराइल हमास को खत्म करने जिद के चलते मासूमों पर बम बरसा रहा है। इस बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास के खिलाफ गाजा में भीषण लड़ाई जल्द खत्म होने वाली है।

एक साक्षात्कार में नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि रफाह में युद्ध खत्म होने वाला है। नेतन्याहू ने साथ ही ये भी कहा है कि इसका मतलब ये नहीं है कि गाजा पट्टी में चल रहे हमास के साथ संघर्ष का अंत हो जाएगा। हमास के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।

नेतन्याहू ने लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध शुरू करने की इजरायल की चेतावनियों का जिक्र करते हुए कहा कि गाजा में युद्ध खत्म होने के बाद हम उत्तर की ओर बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि इजरायल-लेबनान सीमा पर युद्ध विराम करने के लिए कोई भी समझौता हमारी शर्तों पर होगा। इजरायल के उत्तर में हिजबुल्लाह-इजरायल के बीच सात अक्टूबर, 2023 से गोलीबारी चल रही है। इजराइल हमास को खत्म करने जिद के चलते मासूमों पर बम बरसा रहा है। उन्होंने कहा कि वह केवल इस समझौते पर सहमत होंगे कि गाजा पट्टी में हमास को पूरी तरह से सत्ता से हटा दिया जाए और करीब 100 बंधकों को रिहा किया जाएगा, जो अभी भी हमास की कैद में हैं।

अमेरिका के मोंटगोमरी में 600 राउंड हुई फायरिंग, दर्जनों घायल

मोंटगोमरी(ईएमएस)। अमेरिका में आए दिन गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। बीते रोज मोंटगोमरी में इस कदर फायरिंग हुई की करीब 6 सौ राउंड कारतूस चले। इसमें कई लोग घायल हो गए हैं। अमेरिकी राज्य अलबामा की राजधानी मोंटगोमरी में एक पार्टी के दौरान अंधाधुंध गोलीबारी में नौ लोग घायल हो गए। यहां पर 600 राउंड से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। गोलीबारी के बाद मची अफरा-तफरी में चार अन्य लोग घायल हो गए।इसके अलावा ओहियो प्रांत की राजधानी कोलंबस में एक संदिग्ध ने अंधाधुंध गोलीबारी कर 10 लोगों को घायल कर दिया। न्यूयार्क के रोचेस्टर इलाके में एक पार्क में गोलीबारी की घटना में छह लोग घायल हो गए। गोलीबारी के बाद मची अफरा-तफरी में कम से कम चार और लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि मोंटगोमरी पुलिस विभाग, एफबीआइ और अन्य एजेंसियों के अधिकारी गवाहों और संदिग्धों से पूछताछ कर रहे हैं। घायलों में किसी की स्थिति गंभीर नहीं है। उमोंटगोमरी के मेयर स्टीवन एल रीड ने एक बयान में कहा कि पुलिस और चिकित्साकर्मियों ने रविवार की रात लगभग डेढ़ बजे गोलीबारी की सूचना पर कार्रवाई की।

नासा पर 80,000 डॉलर का केस

फ्लोरिडा(ईएमएस)। अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत में एक परिवार ने अंतरिक्ष एजेंसी नासा पर 80,000 डॉलर (करीब 66 लाख 85 हजार भारतीय रुपए) का केस किया है। दरअसल 8 मार्च 2021 को अंतरिक्ष से 700 ग्राम वजन के मलबे का एक टुकड़ा उनके घर पर गिर गया था जिससे उनकी छत टूट गई। इस घटना के बाद नासा ने कहा था कि ये मलबा इस्तेमाल हो चुकी बैटरियों के कार्गो पैलेट का हिस्सा था जिसे 2021 में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से कचरे के रूप में छोड़ा गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी ने कहा कि वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद भी ये पूरी तरह से नष्ट नहीं हो पाया।

जयशंकर ने यूएई विदेश मंत्री से की रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा

अबूधाबी,(ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में यूएई के विदेश मंबतग शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और लगातार बढ़ती द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की। जयशंकर ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि यूएई के विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद से अबू धाबी में मिलकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने लिखा कि हमारी बढ़ती व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर सार्थक और गहन बातचीत हुई।

क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर उनकी अंतर्दृष्टि सराहनीय की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख अब्दुल्ला ने जयशंकर को फिर से भारत के विदेश मंत्री बनने पर बधाई दी। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्री संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने यूएई और भारत के बीच व्यापक रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी के ढांचे के भीतर द्विपक्षीय सहयोग के कई क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में शेख अब्दुल्ला और जयशंकर ने आर्थिक, व्यापार, निवेश, शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन सहित सभी क्षेत्रों में संयुक्त सहयोग को मजबूत करने के लिए दोनों देशों के प्रयासों को लेकर बातचीत की।

ताइवान की सीमा में फिर घुसे चीनी विमान

23 एयरक्राफ्ट और 7 नौसैनिक जहाज के साथ बॉर्डर क्रॉस किया

ताईवान(ईएमएस)। चीनी सेना लगातार ताइवान की सीमा में घुस रही है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक रविवार से सोमवार के बीच 23 चीनी एयरक्राफ्ट और 7 नौसैनिक जहाजों ने उनका बॉर्डर क्रॉस किया। उन्होंने बताया कि 23 में से 19 एयरक्राफ्ट उनकी उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों में डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन तक पहुंच गए थे।

इसके बाद ताइवान ने चीनी सेना पर नजर रखने के लिए अपने विमान और नौसैनिक जहाज तैनात कर दिए हैं। इनमें मिसाइल सिस्टम को भी एक्टिवेट रखा गया है। ताइवान की सेना ने बताया कि वे चीनी सेना की हर हरकत पर नजर रखे हुए हैं। ताइवानी सेना के मुताबिक रविवार को भी 15 चीनी सैन्य विमान और छह नौसैनिक जहाज उसकी सीमा के भीतर घुसकर निगरानी कर रहे थे। ताइवानी सेना ने बताया कि उन्होंने इस महीने अब तक चीनी सैन्य विमानों को 324 बार और नौसेना जहाजों को 190 बार ट्रैक किया है।

देश में मजबूत सरकार की वापसी, एफपीआई कर रहे बंपर निवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम चुनाव के नतीजों के बाद मजबूत वापसी करते हुए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक (21 जून तक भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 12,170 करोड़ रुपए डाले हैं। इसके पहले मई में चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच एफपीआई ने शेयरों से 25,586 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। वहीं मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के बीच उन्होंने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली थी।

आंकड़ों से जाहिर होता है कि ताजा निवेश के बाद 2024 में एफपीआई की शेयरों से निकासी (21 जून) 11,194 करोड़ रुपए रही है। बाजार जानकार बताते हैं कि वर्तमान में भारतीय शेयर बाजार के उच्च मूल्यांकन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का प्रवाह प्रभावित रहेगा। हालांकि आम चुनाव के नतीजे एक तरह से आश्चर्यचकित करने वाले थे लेकिन बाजार स्थिर मोदी सरकार के गठन का जश्न मना रहा है।

भगौड़े विजय माल्या के बेटे की शादी में दिखाई दिया दूसरा भगौड़ा

लंदन (ईएमएस)। भारतीय बैंकों से हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करके भागे भगौड़े शराब कारोबारी विजय माल्य के बेटे सिद्धार्थ की लंदन में शादी हो गई है। सिद्धार्थ की शादी में तमाम मेहमान और पारिवारिक मित्र मौजूद थे। इस बीच सबसे ज्यादा चर्चा भारत के एक और भगौड़े ललित मोदी के भी शादी में पहुंचने की है। एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें ललित मोदी भी शादी में नजर आ रहे हैं। यह शादी ब्रिटेन के हर्टफोर्डशायर इलाके में हुई। सिद्धार्थ और जैस्मीन ने पहले ईसाई धर्म के अनुसार शादी की। इसके बाद हिंदू रीति-रिवाज से भी शादी की।

ललित मोदी भारत की मशहूर क्रिकेट लीग आईपीएल के पूर्व कमिश्नर रहे हैं। वे आईपीएल में वित्तीय अनियमितता के आरोपी हैं। ललित मोदी के खिलाफ टैक्स धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे केस भी चल रहे हैं। इसके अलावा सिद्धार्थ के पिता विजय माल्या पर बैंकों से लोन फ्रॉड करने का आरोप है।

इसके बाद जब हिंदू रीति-रिवाज से शादी हुई तब दुल्हन पिंक लहंगे में दिखाई दीं। इस शादी समारोह की तस्वीरें और वीडियो वहां मौजूद मेहमानों ने शेयर किए हैं। एक वीडियो में सिद्धार्थ और जैस्मीन डांस करते दिख रहे हैं। इसके बाद दोनों एक केक भी काटते हैं। दोनों ने इंस्टाग्राम पर शादी की एक तस्वीर भी शेयर की है। वहीं कुछ तस्वीरों में विजय माल्या अपने बेटे को चूमते हुए दिखते हैं।

भोजन और पानी के लिए जमा हुए फिलस्तीनियों पर इजरायल ने बरसाए बम, इजराइल और हमास जंग में मानवता हो रही शर्मशार

यरुशलम(ईएमएस)। इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग में मानवता का नामों निशान मिट गया है। इसकी बानगी उस समय देखी गई जब गाजा में भोजन और पानी के लिए जुटी भीड़ पर इजरायली सेना ने बम बरसा दिए। इससे आठ फलस्तीनी मारे गए हैं। इस बीच मिस्त्र सीमा पर स्थित रफाह में इजरायली टैंक अब शहर के अंदर तक पहुंच गए हैं। वहां पर बीते डेढ़ महीने से इजरायली सेना और फलस्तीनी लड़ाकों के बीच भीषण लड़ाई चल रही है।

कई लोगों के मारे जाने की सूचना है। ट्रेनिंग कॉलेज से राहत सामग्री का वितरण संयुक्त राष्ट्र की फलस्तीनी शरणार्थी एजेंसी कर रही है। रविवार को वहां पर बड़ी संख्या फलस्तीनी खाद्य सामग्री, पानी और अन्य वस्तुएं लेने के लिए पहुंचे थे। उसी समय वहां पर इजरायली सेना का ड्रोन हमला हुआ। हमले में राहत सामग्री लेने आए आठ फलस्तीनी मारे गए और नजदीक स्थित एक मकान ध्वस्त हो गया। शांति काल में यह ट्रेनिंग कॉलेज संयुक्त राष्ट्र द्वारा चलाया जाता था।

गाजा में एजेंसी की निदेशक जूलिएट टौमा ने कहा है कि अक्टूबर 2023 से जारी इजरायली हमलों में अभी तक गाजा में संयुक्त राष्ट्र के 190 भवनों को निशाना बनाया जा चुका है और 193 कर्मी मारे जा चुके हैं। इजरायल के एक अन्य हवाई हमले में मध्य गाजा के नुसीरत में दो लोग मारे गए हैं। गाजा में अभी तक कुल 37,600 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इस बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बार फिर दावा किया है कि अमेरिका उनके देश को हथियार व गोला-बारूद की आपूर्ति रोक रहा है। अमेरिका द्वारा इस तरह के पूर्व में लगाए आरोप को नकारने के बाद नेतन्याहू का इस आशय का बयान दोबारा आया है। इराक के शिया सशस्त्र संगठन इस्लामिक रजिस्टेंस ने यमन के हाउती विद्रोहियों के साथ मिलकर इजरायल के हाइफा बंदरगाह और भूमध्य सागर में लंगर डाले कई मालवाहक जहाजों पर हमले का दावा किया है। दोनों संगठनों ने चार जहाजों पर दो बार में ड्रोन हमले किए।

हूती का बड़ा हमलाः दो जहाजों को बनाया निशाना

काहिरा(ईएमएस)। हूती यमन का विद्रोही गुट है। यह समूह पिछले साल नवंबर से शिपिंग लेन में ड्रोन और मिसाइल हमलों से जहाजों को नुकसान पहुंचा रहा है। हूती का कहना है कि यह हमले गाजा में इजरायल के युद्ध के खिलाफ फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए हैं। दूती अब तक दर्जनों हमले कर चुका है। दो जहाजों को डुबो और एक को जब्त कर चुका है। वहीं तीन नाविकों की जान भी ले चुका है। इसी क्रम मेंयमन के विद्रोही गुट हूती ने दावा किया कि उसने लाल सागर और हिंद महासागर में दो जहाजों को निशाना बनाया है।

हूती के प्रवक्ता याह्या सारी ने कहा कि पहले जहाज ट्रांसवर्ल्ड नेविगेटर पर लाल सागर में हमला किया गया है। दूसरे जहाज स्टोल्ट सेकोया पर हिंद महासागर में कई क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया है। बता दें कि गाजा पर इजरायल के हमले के विरोध में हूती विद्रोही अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत जहाजों को अपना निशाना बना रहे हैं।हूती का कहना है कि ये जहाज उन कंपनियों के थे जिन्होंने कब्जे वाले फिलिस्तीन के बंदरगाहों में प्रवेश करने पर प्रतिबंध का उल्लंघन किया। उधर, अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने रविवार को हमले की पुष्टि की। अमेरिकी सेना ने कहा कि ग्रीस स्वामित्व वाले ट्रांसवर्ल्ड नेविगेटर जहाज पर हूती ने संदिग्ध मानव रहित हवाई प्रणाली से हमला किया है। अमेरिकी सेना का कहना है कि आज सुबह 4:00 बजे चालक दल ने जहाज में मामूली नुकसान की सूचना दी, लेकिन जहाज आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी और गठबंधन के जहाजों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक दिख रही सभी ग्लोबल रेटिंग्स एजेंसियां

मुंबई (ईएमएस)। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर कायम रखकर कहा है कि ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी। एशिया प्रशांत के लिए जारी अपने आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ हैरान कर रही है और बीते वित्त वर्ष (2023-24) में यह 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। एसएंडपी ने कहा, हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत पर रहेगी। ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से गैर-कृषि क्षेत्रों की मांग प्रभावित होगी।''

एसएंडपी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था क्रमशः 6.9 प्रतिशत और सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। चालू वित्त वर्ष के लिए एसएंडपी का वृद्धि दर का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान से कम है। इसके पहले केंद्रीय बैंक ने अनुमान लगाया था कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। एक अन्य रेटिंग एजेंसी फिच का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-2025 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहेगी। वहीं एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का अनुमान है कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहेगी। मूडीज रेटिंग्स और डेलॉयट इंडिया का अनुमान है कि 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि मॉर्गन स्टेनली ने 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है।

अप्रैल-जून तिमाही में नई आवासीय इकाइयों में कमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में आम चुनाव के कारण बिल्डरों ने कम संख्या में परियोजनाएं शुरू की हैं। इसकारण अप्रैल-जून तिमाही के दौरान नौ प्रमुख शहरों में नई आवासीय इकाइयों की आपूर्ति में 13 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल-जून में नौ प्रमुख शहरों में नए घरों की आपूर्ति घटकर 97,331 इकाई रही है। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 1,11,657 इकाई का था।

समीक्षाधीन तिमाही के दौरान पुणे और हैदराबाद में सबसे कम नए घर पेश किए गए। वहीं दिल्ली-एनसीआर में नई आपूर्ति लगभग दोगुनी हो गई है। विश्लेषण में दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, नवी मुंबई, पुणे और ठाणे को शामिल किया गया। अप्रैल-जून 2024 के दौरान आवास बिक्री में दो प्रतिशत की मामूली गिरावट का अनुमान लगाया है।

समुद्र से निकाला हजारों साल पुराना जहाज, मलबे में मिला खजाना

तेल अवीव,(ईएमएस)। समुद्र में हजारों साल पुराने एक जहाज का खजाना निकला है। यह जहाज इजरायली तट से उत्तर में करीब 2000 मीटर नीचे समुद्र की गहराई में मिला है। जहाज के मलबे से खजाना मिला, जिसे एम्फोरा के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जा रहा है कि यह 3,300 साल पुराने हो सकते हैं। इन्हें शराब के जग के रूप में जाना जाता है। यह कांस्य युग का माना जा रहा है। पिछले साल इस जहाज को लंदन की एक गैस कंपनी ने समुद्री रोबोट के जरिए स्कैनिंग करके खोजा था।

यह भूमध्य सागर में अब तक इतनी गहराई में खोजा गया सबसे पुराना जहाज है। इस युग के पिछले जहाजों के टुकड़े कभी भी जमीन से इतनी दूर नहीं मिले हैं। इससे यह पता चलता है कि प्राचीन नाविक गहरे समुद्र में यात्रा करने में सक्षम थे। खोजकर्ताओं का मानना है कि जहाज या तो तूफान के कारण या समुद्री डाकुओं के हमले से डूब गया होगा। इजरायल पुरातन प्राधिकरण की समुद्री इकाई के प्रमुख ने इसे विश्व स्तर पर इतिहास को बदलने वाली खोज बताया है।

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि जहाज संकट में डूब गया या तो यह तूफान के कारण डूब गया या समुद्री डकैती के प्रयास के कारण जो कि कांस्य युग के अंत में बेहद प्रसिद्ध थी। शोधकर्ताओं ने इसकी सटीक जगह नहीं बताई है। लेकिन कहा कि यह जमीन से 90 किमी दूर पर है। जहाज अभी भी पानी के नीचे ही है। लेकिन शोधकर्ताओं को समुद्र से इसे निकालने में कामयाबी मिल गई है। यह जग एम्फोरा कहलाते हैं, जिनका शरीर अंडाकार होता है। इसकी गर्दन पतली होती है और दो हैंडल होते हैं। तेल, शराब और फल ले जाने के लिए इस जहाज का इस्तेमाल होता था। कीचड़ भरा तल जहाज की दूसरी परत को छुपाता है, लकड़ी के बीम भी मिट्टी के नीचे दबे हुए हैं। इस खोज से यह भी बात भी पता चलती है कि प्राचीन नाविकों की नेविगेशन क्षमता जानकारी से ज्यादा उन्नत थी। इस समय नाविक भूमि के करीब ही अपनी नाव लेकर चलते थे, ताकि लौटने में आसानी हो। लेकिन यह खोज दिखाती है कि इसके नाविक बिना जमीन का टुकड़ा देखे यात्रा कर रहे थे। संभव है कि वह अपनी दिशा जानने के लिए सूर्य और तारों का इस्तेमाल करते हों। दो जहाज पहले भी इस समय के खोजे गए हैं। लेकिन वे तटों के करीब थे।

बेहद अमीरों पर सुपर रिच टैक्स.......74 प्रतिशत भारतीय इसके समर्थन में

जुलाई में होगी जी-20 देशों की बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस)। जी-20 देशों के वित्त मंत्री अगले महीने दुनिया के बेहद अमीर (सुपर-रिच) लोगों पर संपदा कर (वेल्थ टैक्स) लगाने को लेकर विचार-विमर्श करने वाले हैं। इस बीच सर्वे में सामने आया है कि इन देशों के 68 फीसदी लोग अमीरों पर इस तरह का कर लगाने के पक्ष में हैं। भारत में यह आंकड़ा और अधिक यानी 74 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि 4 में से 3 भारतीय चाहते हैं कि अमीरों से ज्यादा टैक्स वसूल किया जाए। इन लोगों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर भुखमरी, असमानता और जलवायु संकट से निपटने के लिए इस तरह का कर लगाना चाहिए।

सुपर-रिच' पर कर लगाने का प्रस्ताव 2013 से लगातार चर्चा में है। पिछले कुछ वर्षों में इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन बढ़ रहा है। जी-20 देशों के वर्तमान अध्यक्ष ब्राज़ील का लक्ष्य अमीरों पर टैक्स को लेकर आम राय बनाना है। जुलाई में जी-20 के वित्त मंत्रियों की बैठक में इस बारे में संयुक्त घोषणा पर जोर देने की संभावना है। फ्रांसीसी अर्थशास्त्री गैब्रियल जुकमैन मंगलवार को एक रिपोर्ट पेश करने वाले हैं, कि कैसे बेहद अमीर लोगों पर वैश्विक स्तर पर न्यूनतम कर काम करेगा और इस कितना बढ़ाया जा सकता है। ब्राजील के जी-20 में इस कर के प्रस्ताव के पीछे जुकमैन का ही दिमाग है। जुकमैन का कहना है कि आम लोगों की तुलना में बेहद अमीर लोग काफी कम टैक्स देते हैं। प्रस्ताव का उद्देश्य एक नया अंतरराष्ट्रीय मानदंड स्थापित करना है। प्रत्येक देश के अरबपति व्यक्ति को प्रस्ताव के तहत अपनी संपदा का दो प्रतिशत सालाना टैक्स के रूप में देना होगा।

सर्वे के अनुसार, 74 प्रतिशत भारतीय इस कर के पक्ष में हैं। इसमें से 68 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि दुनिया को अगले दशक में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों जैसे बिजली उत्पादन, परिवहन, भवन, उद्योग और भोजन में नाटकीय कार्रवाई करने की जरूरत है। सर्वेक्षण में शामिल 81 प्रतिशत भारतीयों ने 'कल्याणकारी अर्थव्यवस्थाओं' में बदलाव का समर्थन किया है।

पाक सेना की अफगानिस्तान में घुसने की तैयारी, भड़क सकता है तालिबान

-पीएम शहबाज शरीफ ने टीटीपी के खिलाफ ऑपरेशन चलाने की दी मंजूरी

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान सरकार नए आतंकवाद विरोधी अभियान के तहत अफगानिस्तान में पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) के खिलाफ ऑपरेशन चलाने को मंजूरी दे सकती है। मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तानी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान सरकार सीमा पार आतंकवादी ठिकानों को खत्म करने में जरा भी नहीं हिचकेगी। विगत दिवस पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने शीर्ष समिति की बैठक में चरमपंथ के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने को मंजूरी दी थी। इस ऑपरेशन को अज्म-ए-इस्तेहकाम नाम दिया गया है, जिसके तहत उत्तरी वजीरिस्तान से लेकर बलूचिस्तान तक चरमपंथ के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। इस बैठक में पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के साथ ही सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे।

पाकिस्तान आतंकी ठिकानों को खत्म करने के लिए अफगानिस्तान की अंतरिम तालिबान सरकार को राजी करने के कूटनीतिक कोशिश भी करेगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया है कि अभियान के दो पहलू हैं। एक आंतरिक सुरक्षा स्थिति को संबोधित करता है, जबकि दूसरे में अफगानिस्तान से पैदा होने वाले बाहरी खतरे पर ध्यान केंद्रित किया है। अगस्त 2021 में काबुल में तालिबान की वापसी के बाद पाकिस्तान में टीटीपी के हमलों तेजी आई है, जो इस्लामाबाद के लिए एक झटका है। इस साल में आतंकवादी हमलों में 83 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिसके बाद पाकिस्तान को चरमपंथ के खिलाफ एक नया अभियान शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट में बताया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पर रोक लगाने के लिए अफगान तालिबान को मनाने में इस्लामाबाद की चीन से भी मदद लेने की योजना है। पाकिस्तान ने तालिबान को पाल पोस कर बड़ा किया लेकिन आज वह इस्लामाबाद को दुश्मन की नजर से देखता है। काबुल की सत्ता में वापसी के बाद से पाकिस्तान और तालिबान सरकार के संबंध खराब होते चले गए। इस साल मार्च में पाकिस्तान सेना ने अफगानिस्तान की सीमा के अंदर टीटीपी के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी, जिसके बाद अफगानिस्तान ने युद्ध की धमकी दे डाली थी।

हाल के दिनों में पाकिस्तान में विद्रोही गुटों के हमले तेज हुए हैं। इनका टॉप टारगेट पाकिस्तान में मौजूद चीनी निवेश है, जो इन हमलों के चलते बाधित हुआ है। हाल ही में पाकिस्तान की यात्रा पर आए एक प्रमुख चीनी मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि चरमपंथी हमलों के चलते चीनी निवेशकों का विश्वास हिल गया है। मंत्री ने साफ चेतावनी दी कि बिना सुरक्षा के पाकिस्तान में कारोबारी नहीं किया जा सकता। चीनी मंत्री के बयान के बाद ही पाकिस्तान के नागरिक और सैन्य नेतृत्व ने चरमपंथ विरोधी नए सैन्य अभियान को मंजूरी दे दी गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत गुजरात के शहरों में लाखों परिवारों को मिला उनके 'सपनों का घर'

गुजरात के शहरी क्षेत्रों में अब तक 8.52 लाख आवासों का हुआ निर्माण, 'विकसित गुजरात2047' के रोडमैप के साथ 'विकसित भारत2047' का संकल्प होगा साकार

गांधीनगर 24जून, 2024:देश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को किफायती मूल्य पर पक्के मकान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू की थी। इस योजना के अंतर्गत पिछले 9 वर्षों में लाखों परिवारों को उनके सपनों का घर मिला है और इससे उनका जीवन स्तर ऊंचा उठा है। गुजरात में भी प्रधानमंत्री आवास योजना को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है और देश के अन्य राज्यों की तुलना में गुजरात इस योजना को लागू करने के मामले में एक अग्रणी राज्य है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत कुल 8.52 लाख आवासों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक 'विकसित भारत2047' का संकल्प दिया है, जिसमें देश के सभी लोगों के पास पक्का घर होगा। विकसित भारत के इस संकल्प को साकार करने में मुख्य भूमिका निभाने के उद्देश्य से गुजरात ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में 'विकसित गुजरात2047' का रोडमैप तैयार कर लिया है। राज्य सरकार इस बात को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है कि राज्य में सभी लोगों को उनके सपनों का घर मिले।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 8.55 लाख आवासों का निर्माण : जून, 2015 में योजना की घोषणा के बाद, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत गुजरात राज्य के लिए अनुमानित मांग के अनुसार 7.64 लाख आवासों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसकी तुलना में अब तक कुल 9.78 लाख आवास मंजूर किए गए हैं। इन मंजूर किए गए आवासों में से 8.55 लाख आवासों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 1 लाख से अधिक आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण करने का आयोजन किया गया है, जिसके लिए 1066 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, वर्ष 2024-25 के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 65,000 से अधिक आवासों का निर्माण पूरा करने का आयोजन किया गया है, जिसके लिए 1326.93 करोड़ रुपए की भारी धनराशि का प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी घटक के तहत 6.13 लाख से भी अधिक लाभार्थियों को उनके पहले आवास पर लिए गए ऋण पर ब्याज सहायता का लाभ प्रदान करने के मामले में गुजरात देश के अन्य राज्यों की तुलना में अग्रणी स्थान पर है।

इसके अलावा, केंद्र सरकार ने वर्ष 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत शहरी गरीबों एवं कामगारों को सस्ते किराये के मकान उपलब्ध कराने के लिए 'किफायती किराया आवास परिसर' योजना की घोषणा की थी। इस घोषणा के तीन महीने के भीतर गुजरात के सूरत शहर के सूडा (सूरत शहरी विकास प्राधिकरण) क्षेत्र में निर्मित 393 आवासों को मॉडल-01 के अंतर्गत किराये के मकानों में परिवर्तित कर गुजरात इस प्रोजेक्ट की मंजूरी हासिल करने वाला देश का पहला राज्य बन गया।

गुजरात पुलिस ने बढ़ाई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की सुरक्षा

वडोदरा, २४ जून ।

अमृतसर के गोल्डन टेंपल पर योग करना वडोदरा की फैशन डिजाइनर अर्चना मकवाना को काफी भारी पड़ रहा है। अब उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है जिसके बाद पुलिस ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की है। दरअसल २१ जून को अर्चना ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मंदिर में शीर्षासन किया था जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

वडोदरा की एक फैशन डिजाइनर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अर्चना मकवाना को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में योग करने के बाद जान से मारने की धमकियां मिल रही है। गुजरात पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। वडोदरा के एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को कहा कि मकवाना को रविवार से एक हफ्ते के अवधि के लिए स्थानीय स्तर पर पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर बढ़ाया भी जा सकता है।

दरअसल, २१ जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अर्चना मकवाना ने मंदिर में शीर्षासन किया और इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं, जो वायरल हो गईं। इसके बाद उन्हें आलोचना, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकियां मिलीं। हालांकि, अर्चना ने इसके लिए माफी भी मांगी और कहा था कि उनका कभी किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।

पंजाब पुलिस ने रविवार को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की शिकायत के बाद भारतीय दंड संहिता की धारा २९५-ए (किसी भी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण इरादा) के तहत मकवाना के खिलाफ मामला दर्ज किया।

सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई अपनी तस्वीरों के लिए आलोचना मिलने के बाद, मकवाना ने उन्हें हटा दिया और एक वीडियो के माध्यम से माफी भी मांगी, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने एकता और फिटनेस का संदेश फैलाने के लिए पवित्र स्थान पर योग किया।

अर्चना ने अपनी सफाई में कहा कि 'मैंने योग दिवस पर आभार व्यक्त करने के लिए शीर्षासन किया, किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था। मुझे बुरा लगा कि आपको बुरा लगा। मेरा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। मैं माफी मांगती हूं...मुझे गलत तरीके से समझा गया। मुझे जान से मारने की धमकियां और गालियां मिली हैं।'

अर्चना ने वडोदरा पुलिस को भी सुरक्षा मुहैया कराने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'मैं गुजरात पुलिस और वडोदरा पुलिस के प्रति इतनी त्वरित और त्वरित कार्रवाई करने के लिए बहुत आभारी हूं। मुझे पुलिस सुरक्षा देने के लिए गुजरात सरकार का धन्यवाद।'

राज्यव्यापी शाला प्रवेशोत्सव की 21वीं श्रृंखला 26 से 28 जून के दौरान आयोजित होगी

गांधीनगर 24जून, 2024:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस वर्ष आयोजित होने वाले 21वें शाला प्रवेशोत्सव के दौरान आँकड़ों पर आधारित उपलब्धियों की तुलना में बच्चे के भविष्य के लिए अच्छे से अच्छा क्या हो सकता है, इस पर विशेष ध्यान देने का संकल्प व्यक्त किया है। श्री पटेल आगामी 26 से 28 जून के दौरान आयोजित होने वाले शाला प्रवेशोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को आयोजित बैठक में बोल रहे थे। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री ने की।

इस संदर्भ में; मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल में विकसित भारत की नींव अधिक सुदृढ़ होने वाली है। श्री पटेल ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित गुजरात की हमारी प्रतिबद्धता को साकार करने के लिए शिक्षा ही सर्वांगीण विकास की नींव में सबसे पहले है। उन्होंने कहा, ''इस प्रवेशोत्सव के दौरान अब हमें स्कूलों में विशेष क्या करना चाहिए; इस पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ-साथ ग्रामीण स्तर से शहरी क्षेत्र तक एक समान, स्मार्ट व गुणवत्तायुक्त शिक्षा हो; इस पर भी फोकस करना है।''

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा पिछले दो दशकों से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कन्या शिक्षा संकल्पना को साकार करने के लिए शाला प्रवेशोत्सव व कन्या केळवणी (शिक्षा) महोत्सव आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव की 21वीं कड़ी आगामी 26 से 28 जून के दौरान 'उत्सव उल्लासमय शिक्षा का' (उजवणी उल्लासमय शिक्षणनी) थीम पर आयोजित होने जा रही है।

21वें शाला प्रवेशोत्सव में सहभागी होने वाले राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य मंत्रियों, पदाधिकारियों तथा उच्चाधिकारियों को मार्गदर्शन देने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में सोमवार को गांधीनगर में बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव श्री राज कुमार और वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस, आईएफएस अधिकारी तथा क्लास-1 अधिकारी उपस्थित रहे। श्री भूपेंद्र पटेल ने बैठक में प्रेरणादायी मार्गदर्शन देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में बेटियों के प्रति विद्यमान सामाजिक, पारिवारिक व रुढ़िवादी विचारों का निर्मूलन कर सामूहिक प्रयासों से कन्या शिक्षा को वेग दिया है। उनके निष्ठावान सफल प्रयासों के फलस्वरूप आठवीं कक्षा के बाद भी बेटियाँ पढ़ने लगी हैं। इतना ही नहीं; गुजरात में ड्रॉपआउट रेशियो में भी भारी कमी लाई जा सकी है।

मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि हमने अधिक से अधिक बेटियों को उच्चाभ्यास में शामिल होने के प्रति प्रोत्साहन देने के लिए 'नमो लक्ष्मी' तथा विज्ञान विषय (साइंस स्ट्रीम) में अधिक विद्यार्थी आएँ; इसके लिए 'नमो सरस्वती' योजना शुरू की है। इन योजनाओं का अधिकतम् लाभ सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाली छात्रों तक पहुँचाने के लिए यह जरूरी है कि प्रवेशोत्सव में जाने वाले सभी अधिकारी-कर्मचारी ग्रामीण, तहसील व जिला स्तर पर अभिभावकों को इन योजनाओं की विस्तृत जानकारी दें। श्री पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन करने वाले अग्रिम राज्यों में गुजरात एक है और 2047 में विकसित भारत का रोडमैप शिक्षा के सर्वग्राही विकास से तैयार करने का आयोजन किया गया है। उन्होंने प्रवेशोत्सव में जाने वाले सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे जिस स्कूल में जाएँ, वहाँ की मूलभूत जरूरतों में कमियाँ हों; तो उनका भी फीडबैक दें। ऐसी कमियाँ तुरंत पूरा करने के प्रयास शिक्षा विभाग से सम्बद्ध विभागों के साथ समन्वय करते हुए किया जाए। उन्होंने जोड़ा कि शाला प्रवेशोत्सव का यह शिक्षा सेवा यज्ञ अधिक जन भागीदारी से उत्तरोत्तर सफलता प्राप्त करे; ऐसा दायित्व हम सभी साथ मिल कर निभाएँ।

शिक्षा मंत्री श्री कुबेरभाई डिंडोर ने स्वागत संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुआ शाला प्रवेशोत्सव तथा कन्या शिक्षा महोत्सव आज 21वें वर्ष में प्रविष्ट हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के हिस्से के रूप में राज्य सरकार ने गत वर्ष बालवाटिकाएँ शुरू की हैं। इस प्रवेशोत्सव के दौरान बालवाटिकाओं में समग्र राज्य के 11.70 लाख से अधिक बच्चे प्रवेश लेंगे। इसके अतिरिक्त; 3.60 लाख से अधिक बच्चे इस वर्ष सीधे पहली कक्षा में प्रवेश लेंगे।

टी२० वर्ल्ड कप लाइव स्ट्रीमिंग-सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़

अहमदाबाद, २४ जून ।

सट्टेबाजी के लिए अवैध लाइव स्ट्रीमिंग करने वाले गैंग का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अहमदाबाद अपराध शाखा को कुछ वेबसाइटों के बारे में शिकायतें मिलीं कि वे टी-२० विश्व कप क्रिकेट मैचों का अवैध प्रसारण पुन प्रसारण प्रसारण डाउनलोड और स्ट्रीमिंग कर रही हैं। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सट्टेबाजी के लिए तैयार की गई डमी वेबसाइट पर टी-२० विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच का सीधा प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) करने के आरोप में गुजरात पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इस अवैध स्ट्रीमिंग के तार पाकिस्तान और अन्य देशों से जुड़े हैं। गुजरात पुलिस ने रविवार को एक गैंग का पर्दाफाश किया है। यह गैंग पिछले दिनों टी-२० विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण डमी वेबसाइट से कर रहे थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अहमदाबाद अपराध शाखा को कुछ वेबसाइटों के बारे में शिकायतें मिलीं कि वे इन मैचों का अवैध प्रसारण, पुन: प्रसारण, प्रसारण, डाउनलोड और स्ट्रीमिंग कर रही हैं। जिससे स्ट्रीदमग अधिकार रखने वाली स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को वित्तीय नुकसान हो रहा है। शिकायत मिलने के बाद शाखा ने जांच शुरू की।पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान सट्टेबाजी के लिए इस्तेमाल किए गए सर्वर को साइबर अपराध कर्मियों ने ट्रैक किया।

इसके तहत हमने मेहसाणा जिले के उंझा निवासी दिव्यांशु पटेल को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया हमने तीन कंप्यूटर सीपीयू, चार मानिटर, एक लैपटाप, एक आईपैड, छह राउटर, अंतरराष्ट्रीय डेबिट कार्ड और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस की पूछताछ में दिव्यांशु पटेल ने बताया कि उसने वेब डोमेन एसएस२४७ डाट लाइफ खरीदा था। इस डोमेन का इस्तेमाल वह अपने सह आरोपित मुकेश पटेल की मदद से विभिन्न डमी वेबसाइटों पर क्रिकेट मैच अपलोड करने के लिए करता था। एक अन्य आरोपित शुभम पटेल, जो अब कनाडा में बस गया है, वह वीडियो की आगे की प्रक्रिया का ध्यान रखता था।

पुलिस ने बताया कि दिव्यांशु, मुकेश और शुभव तीनों अजहर अमीन नामक एक पाकिस्तानी नागरिक से खेलों की लाइव स्ट्रीमिंग प्राप्त करते थे। चारों लगातार संपर्क में रहते थे। यही नहीं उन्होंने मैजिकविन ३६६डाट नेट जैसी वेबसाइटों पर भी स्ट्रीमिंग की। इनका उपयोग अवैध क्रिकेट सट्टेबाजी के लिए किया गया था। वेबसाइट से जुड़े बैंक खाते भी फर्जी थे। प्राइवेट बैंक कर्मचारी आकाश गोस्वामी द्वारा अहमदाबाद के विभिन्न निवासियों के नाम पर खोले गए थे। जांच के दौरान बैंक कर्मचारी आकाश को भी गिरफ्तार किया गया है।

जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद, २४ जून ।

राजस्थान के विधायक रविन्द्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपित को अहमदाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी अपराध शाखा के अधिकारियों ने राजस्थान के बालोतरा जिले से की। आरोपित का नाम किशनलाल जाट है। आरोपित के पास से एक पिस्टल और नौ कारतूस बरामद किए गए हैं। आरोपित ने विधायक को निशाना बनाने के लिए पिस्टल को मध्य प्रदेश से खरीदा था।

राजस्थान के विधायक रविन्द्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकी वाले पोस्ट करने के आरोपित को अहमदाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी अपराध शाखा के अधिकारियों ने राजस्थान के बालोतरा जिले से की। आरोपित का नाम किशनलाल जाट है। आरोपित के पास से एक पिस्टल और नौ कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

आरोपित ने विधायक को निशाना बनाने के लिए पिस्टल को मध्य प्रदेश से खरीदा था। अपराध शाखा के अनुसार, किशनलाल जाट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक माह पहले एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उसने शिवपुर विधानसभा सीट से विधायक भाटी को जान से मारने की धमकी दी थी।

धरोई डेम डेवलपमेंट प्रोजेक्ट में १० महीने में तैयार होगा जोन ५

अहमदाबाद, २४ जून ।

इस प्रोजेक्ट में उत्तर गुजरात के प्रमुख पर्यटन स्थल जैसे अंबाजी मंदिर वडनगर देवनी मोर तरंगा हिल और पोलो फॉरेस्ट भी शामिल हैं। धरोई के इस प्रोजेक्ट को डिजाइन करने वाले आईएनआई डिजाईन स्टूडियो के आर्किटेक्ट हर्ष गोयल से बातचीत की जिसमें उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में दिलचस्प जानकारी साझा की। जिसका शब्दश: हम यहां प्रस्तुत कर रहे हैं।

१२०० करोड़ रुपये से अधिक की लागत से गुजरात के धरोई को वर्ल्ड क्लास टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसप्रोजेक्ट में उत्तर गुजरात के प्रमुख पर्यटनस्थलजैसेअंबाजीमंदिर, वड नगर,देवनीमोर,तरंगा हिल और पोलो फॉरेस्ट भी शामिल हैं। धरोई के इस प्रोजेक्टकोडिजाइनकरने वाले आई एनआई डिजाईन स्टूडियो के आर्किटेक्ट हर्ष गोयल से खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में दिलचस्प जानकारी साझा की। जिसका शब्दश: हम यहां प्रस्तुत कर रहे हैं।

आईएनआई डिजाइन स्टूडियो के डायरेक्टर और आर्किटेक्ट हर्ष गोयल ने कहा, ''धरोई का यह डेम बहुत ही इंटरेस्टिंग, प्राकृतिक, बहुत सुंदर और अनटेब है जिसके बारे में अब तक लोगों ने ज्यादा एक्सप्लोर नही किया है। देशभर में ऐसी कई साइटें हैं। जिसमें इसे टूरिज्म की संभावनाओं की दृष्टि से नहीं देखा गया है। जब गुजरात सरकार ने धरोई में इस तरह की संभावना देखी तो उन्होंने एक टेंडर जारी किया जिसमें हमने अपने आइडिया दिए। इसलिए हमारे विचार और अनुभव के आधार पर हमें यह प्रोजेक्ट मिला।''

उन्होंने आगे कहा, ''हम इसे एक एंकर डेस्टिनेशन बनाना चाहते हैं। इसकी नेचुरल फीचर्स का अधिकतम उपयोग कैसे किया जाए। टुरिस्ट को अधिक से अधिक सुविधाएं कैसे उपलब्ध कराई जाएं। लॉंग डे एक्टिविटी एक साथ कैसे करें? पहले छह महीने इस प्रोजेक्ट के विजन और प्रत्येक फेस की शुरुआत कैसे होगी, इसकी पैकेजिंग के बाद, हमने इसे अलग-अलग कॉन्ट्रैक्ट में विभाजित करने और प्राइवेट प्लेयर्स को कब लाना है, इसकी योजना बनाई। इसके बाद छह महीनों में हमने पैकेज को विस्तार से डिजाइन किया। वर्तमान में दो पैकेज अंडर कन्स्ट्रक्शन हैं। जिसमें एक पैकेज को एक साल पूरा हो चुका है और दूसरा पैकेज जो नदी किनारे का है उसे तीन महीने पूरे हो चुके हैं. इस प्रकार, ३५०-४०० करोड़ रुपये की रेन्ज में दो प्रोजेक्ट पहले से ही निर्माणाधीन हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का 'राज्य स्वागत' कार्यक्रम शनिवार को आयोजित होगा

गांधीनगर 24 जून : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हर महीने के चौथे गुरुवार को आयोजित किए जाने वाले राज्य स्तरीय ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रिवेंसिस बाई एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी) की अगली कड़ी शनिवार, 29 जून को आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिकारी 26 से 28 जून के दौरान राज्यव्यापी शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे, इस कारण हर महीने के चौथे गुरुवार को नियमित रूप से आयोजित होने वाले 'राज्य स्वागत' कार्यक्रम के दिन में यह बदलाव किया गया है।

मुख्यमंत्री की जनसंपर्क इकाई ने इस संदर्भ में 'राज्य स्वागत' में अपनी समस्याओं और शिकायतों को लेकर आने वाले सभी नागरिकों से इस बदलाव को ध्यान में रखने का अनुरोध किया है।

घी में पामोलिन तेल मिलाने की शंका पर १४ लाख का सामान जब्त

अहमदाबाद, २४ जून ।

राज्यकेखाद्य एवं औषध विभाग की टीम ने नवसारी में पामोलिन तेल की मिलावट से घी बनाने की आशंका पर दबिशदेकर १४ लाख का सामान जब्त किया है। नवसारी में शिव फूड प्रोडक्ट नामक इकाई से घी के आठ नमूने लेकर जांच को भेजे हैं। खाद्य एवंऔषधविभाग(गुजरात)के आयुक्त डॉ. एच.जी.कोशिया ने बताया कि पूर्व सूचना के आधार पर रविवार को खाद्य एवं औषध विभाग व स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) की टीमों ने संयुक्त रूप से नवसारी जिले के बारडोली रोड पर औंची गाम स्थित शिव फूड प्रोडक्ट नामक कंपनी में छापा मारा।

रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए चार रेल कर्मचारी सम्मानित

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक श्री सुधीर कुमार शर्मा ने मंडल के 04 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को डयूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री उमेश प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री वसोया धवल कुमार स्टेशन मास्टर वाधरवा, श्री बसंत मेहता, पॉइंट्स मेन वाधरवा, श्री विकास कुमार, पॉइंट्स मेन वाधरवा और श्री राज कुमार बी ट्रेन मैनेजर गांधीधाम को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित कर्मचारियों ने रेल संरक्षा में जैसे आग की चिंगारी दिखना, पावर चेंज ओवर से हल्का सा धुआँ निकलता मिलना, आग लगते हुए दिखाई देना ब्रेक बीम टूटा हुआ मिलना आदि त्रुटि पाई जाने पर तुरन्त उचित कार्यवाही करके अप्रत्याशित घटना और संभावित क्षति से बचाया है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री सुधीर कुमार शर्मा ने इन सजग सरंक्षा रेल प्रहरी की हौसला अफजाई की। और कहा कि यात्रियों की सरंक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है एवं जब रेलकर्मी अपनी डयूटी के दौरान सजगता और सतर्कता से काम करते हैं तो हमें सेफ ट्रेन वर्किंग में मदद मिलती है। हमें इन रेल कर्मियों पर गर्व है।

स्टडी ग्रुप के यूके यूनिवर्सिटी डिस्केवरी डे को गुजरात में मिली शानदार सफलता, सैकड़ों लोगों ने यूके विश्वविद्यालयों में प्रवेश के बारे में हासिल कीं महत्वपूर्ण जानकारियां

आईएचई के बोर्ड अध्यक्ष व बेहतरीन वक्ता जेम्स पिटमैन का जानकारीप्रद सत्र इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, उन्होंने उपस्थित लोगों को यूके में पढ़ाई को लेकर मार्गदर्शन दिया

नई दिल्ली, 24 जून, 2024- स्टडी ग्रुप, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा में सफल होने के लिए स्टूडेंट्स को तैयार करने में दुनिया के प्रमुख दिग्गाज, ने हाल ही में गुजरात के तीन प्रमुख शहरों में यूके यूनिवर्सिटी डिस्कवरी डे का बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम आयोजित किया। सूरत में इस कार्यक्रम का आयोजन 13 जून, वडोदरा में 15 जून और अहमदाबाद में 16 जून को किया गया। विभिन्न शहरों में आयोजित यह कार्यक्रम काफी सफल रहा और हजारों भावी स्टूडेंट्स, अभिभावक तथा वर्किंग प्रोफेशनल्सय ने इसमें हिस्सा लिया। उन्हें यूनाइटेड किंगडम में उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई।

हडर्सफ़ील्ड विश्वविद्यालय, टीसाइड विश्वविद्यालय, लिवरपूल जॉन मूर्स विश्वविद्यालय समेत यूके के अन्य विश्वविद्यालयों ने बूथ स्थापित किए हैं, जिससे स्टूडेंट्स विश्वविद्यालय प्रतिनिधि से सीधे बात कर सकते हैं। वहां उपस्थित लोगों को प्रवेश प्रक्रियाओं, पाठयक्रमों, छात्रवृत्ति, कैम्पस की जिंदगी, नए ट्रेंड्स, वीज़ा से जुड़े नियमों के बारे में सीधे जानकारी पाने का मौका मिला। इसके साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अपने प्रोफेशनल नेटवर्क को बढ़ाने का बेहतरीन अवसर मिला।

अहमदाबाद में एक स्टोर और क्लिनिक के उद्घाटन के साथ टेरा स्क्रीन एंड एस्थेटिक्स का गुजरात में विस्तार हुआ

अहमदाबाद, 24 जून, 2024: भारत में त्वचा देखभाल, स्नान, शिशु उत्पादों और कल्याण उत्पादों से संबंधित ब्रांडों की एक विस्तृत श्रृंखला है। लेकिन सस्ती कीमतों पर लक्जरी ब्रांड मिलना मुश्किल है। इस समस्या के समाधान के लिए डॉ. टेरा प्रोडक्ट्स की शुरुआत प्रशांत कलावाडिया ने गुजरात के अहमदाबाद में टेरा ओसियन इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी शुरू करके की थी। टेरा ब्रांड में वर्तमान में स्नान सौंदर्य प्रसाधन और कल्याण से संबंधित 12 उत्पाद शामिल हैं, साथ ही शिशु उत्पादों और कल्याण और स्वच्छता से संबंधित 16 और उत्पाद निकट भविष्य में लॉन्च किए जाएंगे। टेरा स्किन एंड एस्थेटिक्स के इस अहमदाबाद स्टोर का शुभारंभ श्री पुरूषोत्तम रूपाला - संसद सदस्य राजकोट-गुजरात भारत। आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। यह टेरा ओसियन लंदन का प्रीमियम सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद

एवं त्वचा रोगों का क्लिनिक है जहां लोग विश्व स्तरीय मशीनों के माध्यम से उचित मूल्य पर इलाज करा सकते हैं। टेरा के सभी उत्पाद भारत में बने हैं, पशु क्रूरता मुक्त हैं और 15 वर्षों के अनुभव के बाद 100ड्र प्राकृतिक फूलों के अर्क के साथ त्वचा विज्ञान पर परीक्षण किया गया है।

लॉन्च के बारे में बात करते हुए टेरा के संस्थापक डॉ. प्रशांत कलावाडिया ने कहा कि टेरा का अर्थ है भूमि और टेरा महासागर का अर्थ है जहां भूमि और महासागर मिलते हैं, रेत खनिजों से समृद्ध है। हमारे उत्पादों में होमियो और हर्बल फूलों के अर्क का उपयोग किया जाता है। मैं 2011 से फूलों के अर्क पर शोध कर रहा हूं। हम हमने भारत के विभिन्न राज्यों के लोगों की त्वचा पर अपने उत्पादों का परीक्षण किया है। हमने अपने उत्पादों और उनकी सामग्रियों को अंतिम रूप दे दिया है। हमारे बाल देखभाल उत्पाद सभी प्रकार के बालों पर प्रभावी हैं।

आत्मनिर्भर भारत के बारे में बात करते हुए, डॉ प्रशांत कलावाडिया ने कहा, ठहमें बहुत खुशी और गर्व है कि हमारे सभी उत्पाद हमारे राजकोट, गुजरात स्थान पर निर्मित होते हैं और हमारे उत्पाद 100ड्र भारत में बने होते हैं। हमारी योजना विभिन्न राज्यों में 100 से अधिक टेरा रखने की है

एसएंडपी ग्लोबल इंडिया ने काम करने के लिए भारत की 100 सर्वोत्तम कंपनियों में लगातार चौथे वर्ष जगह बनाई

नई दिल्ली, 24 जून, 2024- एसएंडपी ग्लोबल इंडिया को ग्रेट प्लेस टु वर्क इंस्टीटयूट ने 2024 के लिए काम करने के लिए भारत की 100 सर्वोत्तम कार्यस्थल में 47वें पायदान पर रखा गया है। यह लगातार चौथा वर्ष है जब कंपनी ने देश में शीर्ष 100 अग्रणी कंपनियों में जगह बनाई है और लगातार दूसरा वर्ष है जब 50 अग्रणी कंपनियों में जगह बनाई है

इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए एसएंडपी ग्लोबल के भारतीय परिचालन की प्रबंध निदेशक नीलम पटेल ने कहा, ''हम वर्ष 2024 के लिए काम के लिहाज़ से भारत की शीर्ष कंपनियों में 47वें पायदान पर खुद को पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। शीर्ष 50 में स्थान प्राप्त करना उन असाधारण लोगों का प्रमाण है जो एसएंडपी ग्लोबल इंडिया को काम के लिहाज़ से एक महान स्थल बनाने में योगदान करते हैं। हम निरंतर एक ऐसी संस्कृति के निर्माण पर काम करते रहे हैं जहां हमारे सहकर्मी यह महसूस करें कि उनके पास एक सार्थक प्रभाव का निर्माण करने का अवसर है।''

वर्तमान में एसएंडपी ग्लोबल इंडिया में अहमदाबाद, हैदराबाद, गुरुग्राम, बेंगलूरू, मुंबई, नोएडा और इंदौर में कंपनी के कार्यालयों में 14,000 से अधिक लोग कार्यरत हैं।

स्प्राइट एग्रो लिमिटेड का रु. 44.87 करोड़ का राइट्स इश्यू 24 जून से खुलेगा

राइट इश्यू में शेयर 21 जून 2024 को प्रति शेयर रु. 45.69 की बंद कीमत की तुलना में प्रति शेयर रु. 13.4 पर पेश किए गए है

अहमदाबाद, 24 जून, 2024 - कृषि, कॉन्टैक्ट फार्मिंग, ग्रीनहाउस टेक्नोलॉजी सहित अन्य व्यवसायों में लगी अहमदाबाद स्थित स्प्राइट एग्रो लिमिटेड (बीएसई - 531205) का रु. 44.87 करोड़ का राइट्स इश्यू 24 जून, 2024 को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुलेगा। इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों सहित कंपनी की विस्तार योजनाएं के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट इश्यू 19 जून, 2024 को रु. 45.69 प्रति शेयर के बंद भाव की तुलना में रु. 13.4 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया है। राइट्स इश्यू 12 जुलाई, 2024 को बंद हो जाएगा।

कंपनी रु. 1 के अंकित मूल्य के 3,34,84,611 पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयर रु. 13.4 प्रति इक्विटी शेयर (रु. 12.4 प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) की कीमत पर नकद में जारी करेगी, जिसका कुल मूल्य रु. 44.87 करोड़ होगा। प्रस्तावित इश्यू के लिए राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 1:15 पर तय किया गया है (रिकॉर्ड तिथि 7 जून, 2024 को इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 15 पूर्ण भुगतान वाले इक्विटी शेयरों के लिए रु. 1 के अंकित मूल्य का 1 राइट्स इक्विटी शेयर)। ऑन-मार्केट अधिकार अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 8 जुलाई, 2024 है।

रु. 44.87 करोड़ की इश्यू से मिलने वाली आय में से, कंपनी रु. 34.15 करोड़ कार्यशील पूंजी आवश्यकता के लिए और रु. 10.32 करोड़ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का इरादा रखती है।

कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में राजस्व में 500ड्र से अधिक और शुद्ध लाभ में 281ड्र के 3 साल के सीएजीआर के साथ असाधारण परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, कंपनी ने रु. 72.59 करोड़ का राजस्व दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 22-23 में रु. 7.7 करोड़ के राजस्व की तुलना में 8 गुना अधिक है।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन
संचालन और रखरखाव का प्रावधान
ई-निविदा सूचना सं : Sr.DEE/ADI/17 (24-25) दिनांक: 19.06.2024 निविदा संख्या : EL-50-1-ADI- T-27-2024-25 कार्य का नाम : 03 साल के लिए अहमदाबाद मण्डल के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न क्षमता एसी यूनिट के व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध का प्रावधान, मण्डल रेलवे अस्पताल साबरमती में एसी प्लांट के संचालन और रखरखाव का प्रावधान तथा क्यूएजी रिले रूम डीजल लोको शेड साबरमती में एसी यूनिट प्रदान करने संबंधित बिजली कार्य। अनुमानित लागत : ₹40,29,141.05 धरोहर राशि : ₹80,600/- निविदा प्रपत्र जमा करने की आखिरी तारीख एवं समय : 16.07.2024 को 15:00 बजे तक निविदा प्रपत्र खुलने की तारीख एवं समय : 16.07.2024 को 15:30 बजे ऑफिस का पता : वरि. मण्डल बिजली इंजीनियर. डी. आर.एम. ऑफिस, चामुंडा पुल के पास, जी.सी.एस. अस्पताल के सामने, नरोड़ा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद- 382345 वेब साइट का पता : www.ireps.gov.in 80
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन
इंजीनियरिंग कार्य
ई-निविदा सूचना संख्या 10 ऑफ 2024-2025 दिनांक 18.06.2024 ई-निविदा संख्या : डीआरएम-एडीआई-87-2024-25 कार्य का नाम : सीनियर सेक्शन इंजीनियर (वर्क्स) (उत्तर) अहमदाबाद। सहायक मंडल अभियंता (वर्क्स- II) अहमदाबाद के अधिकार क्षेत्र के तहत 2024-2025 के जोन नंबर 3 ए के लिए 5 लाख रुपये तक के नए कार्य और सभी सामान्य मरम्मते यानी अहमदाबाद रेलवे स्टेशन और सर्कुलेटिंग एरिया, कालूपुर कॉलोनी और सर्विस बिल्डिंग, यार्ड मास्टर कार्यालय, सरसपुर कॉलोनी 1 और 2 और सर्विस बिल्डिंग,डीआरएम कार्यालय परिसर, डीआरएम स्टाफ कॉलोनी और गोमतीपुर आरओबी- कालूपुर आरओबी-साबरमती रिवर ब्रिज के सभी सर्विस बिल्डिंग। (पुनः आमंत्रित) अनुमानित एनआईटी लागत : ₹1,68,28,770.43 ईएमडी : ₹2,34,200.00 ई-निविदा की अंतिम तिथि और समय : दिनांक 09.07.2024 समय 15:00 बजे कार्यालय का पता : वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) अहमदाबाद, डीआरएम कार्यालय, चामुंडा ब्रिज के पास, नई स्वदेशी मिल के सामने, नरोदा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद-382345 ई-निविदा में भाग लेने के लिए वेबसाइट : www.ireps.gov.in 75
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95